लखनऊ

शनिवार 14 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 328

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, असफलता कभी घातक नहीं होती: यह तो लगे रहने की प्रवृति है जो मायने रखती है। - विंस्टन चर्चिल

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

बेंगलुरु में भीषण सड़क हादसा, बस-ट्रक में टक्कर से 4 लोगों की मौत और 16 घायल

बेंगलुरु, 13 जून। बेंगलुरु ग्रामीण में शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे में 2 बच्चों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 16 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आंध्र प्रदेश आरटीसी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। पुलिस के अनुसार सभी मृतक आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले से ताल्लुक रखते हैं। मृतकों की पहचान 44 वर्षीय केशव रेड्डी, 21 वर्षीय तुलसी, 4 साल की बच्ची प्रणनती और 1 साल की नवजात मारिया के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में 2 लोगों को गंभीर चोटें आईं हैं। हादसे में घायल सभी 16 लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि बस ड्राइवर को झपकी आने की वजह से यह हादसा हुआ है। होसकोटे पुलिस इस पूरी घटना की जांच कर रही है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब होसकोटे हाईवे पर ऐसा हादसा हुआ है। इससे पहले 21 मई को भी यहां एक बस, ट्रक और एसयूवही में टक्कर हो गई थी। इस हादसे में 6 लोगों की जान चली गई।

इजरायल ने ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला किया, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख की मौत

दुबई। इजरायल ने शुक्रवार को ईरान की राजधानी तेहरान पर हवाई हमले किए, जिसमें परमाणु और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ईरान की राजधानी के उत्तर-पूर्व में कथित तौर पर जोरदार विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं, जिसके बाद तेहरान के मुख्य हवाई अड्डे इमाम खुमैनी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें निलंबित कर दी गईं हैं। इजरायल में पूरे देश में सायरन बजाए गए हैं और रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने विशेष आपातकाल की घोषणा की है। इजरायल के हमले में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कमांडर-इन-चीफ मेजर जनरल हुसैन सलामी इजरायली हमले में मारे गए हैं। ईरानी की सरकारी मीडिया के मुताबिक, सलामी ईरानी सेना के प्रमुख अधिकारी थे। उनके नेतृत्व में आईआरजीसी ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली की देखरेख करता था। उनके अलावा ईरान के दो प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक मोहम्मद मेहंदी तेहरांची, फेरेदून अब्बासी, ईरान के सेना प्रमुख मोहम्मद बाघेरी और कुछ परमाणु वैज्ञानिक भी हमले में मारे गए हैं। रक्षा मंत्री कैट्ज ने ईरान की ओर से आसन्न मिसाइल और ड्रोन जवाबी हमले की भी चेतावनी दी है। उन्होंने एक बयान में कहा, ईरान के खिलाफ इजरायल के निवारक हमले के मद्देनजर, इजरायल और उसके नागरिक आबादी के खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले तुरंत होने की उम्मीद है। यह हमला अमेरिका के समर्थन के बिना किया गया है। अमेरिका ने पहले ही खुद को इस ऑपरेशन से दूर कर लिया था। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ हमलों को राइजिंग लायन अभियान का हिस्सा बताया। उन्होंने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि तेहरान से परमाणु खतरे को बेअसर करने के लिए यह अभियान जितने दिन भी चलाना होगा, उतना चलाया जाएगा।

एअर इंडिया विमान हादसे की जगह पर पहुंचे प्रधानमंत्री, मंत्री-अधिकारियों से ली जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया विमान हादसे की जगह पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों और अधिकारियों से गुरुवार को हुए दर्दनाक हादसे की जानकारी ली। पीएम मोदी के साथ नागरिक उड्डयन मंत्री रामनोहन नायडू, गुजरात के गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री हर्ष संघवी और केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री उस जगह भी गए जिस हॉस्टल पर विमान गिरा था। बता दें कि इस भीषण हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत कुल 266 लोगों की मौत हुई है। इनमें 241 लोग विमान में सफर कर रहे थे। बाकी हताहत लोग विमान के क्रैश होते समय मेघाणीनगर में घटनास्थल पर मौजूद थे।

अहमदाबाद में क्रैश हुए विमान के मलबे के पास पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद बारीकी और विस्तार से दुर्घटना के बाद के हालात और रेस्क्यू ऑपरेशंस की जानकारी ली। बता दें कि एअर इंडिया ने फ्लाइट संख्या- AI171 पर सवार यात्रियों के परिवारों और प्रियजनों की सहायता करने और उनकी जरूरतों का ख्याल रखने के लिए अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली और गैटविक एयरपोर्ट पर सहायता केंद्र स्थापित किए हैं।

अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एअर इंडिया का विमान गुरुवार दोपहर 1338 बजे टेकऑफ हुआ था। एअर इंडिया के मुताबिक बोइंग 787-8 मॉडल के इस विमान में 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। यात्रियों में 169 भारतीय नागरिकों समेत ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा के नागरिक शामिल थे।

विमान हादसे के बड़े राज से उठेगा पर्दा, एअर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त प्लेन का डीवीआर बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान के मलबे से डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद किया गया है। इस बरामदगी से जांच एजेंसियों को दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद लंदन जाने वाले एयर इंडिया के बोइंग ड्रीमलाइनर का मलबा जिला अस्पताल के पास मिला है। जांच में शामिल एटीएस टीम के एक अधिकारी ने विमान में डीवीआर की खोज की, जिससे घटना की जांच में तेजी आ सकती है। रिपोर्ट बताती है कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के परिणामस्वरूप कुल 297 लोगों की जान चली गई है। विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत की पुष्टि हो चुकी है, साथ ही आवासीय क्षेत्र में दुर्घटना से जुड़ी 56 अतिरिक्त मौतें भी हुई हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए दावा निपटान प्रक्रिया में ढील दी है और इस प्रक्रिया में तेजी भी लाई है। निगम ने कहा कि वह विमान दुर्घटना में प्रभावित लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है और पीड़ितों के लिए दावा निपटान में तेजी लाएगा। बीमा कंपनी ने एक बयान में कहा, श्एलआईसी ने एलआईसी पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की है। मृत्यु प्रमाण पत्र के बदले, विमान दुर्घटना के कारण पॉलिसीधारक की मृत्यु के सरकारी रिकॉर्ड में कोई भी सबूत या केंद्र/राज्य सरकार/एयरलाइन अधिकारियों द्वारा भुगतान किया गया कोई भी मुआवजा मृत्यु के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

सीपीआई ने भी की जांच की मांग

माकपा ने शुक्रवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि सरकार को इस दुखद घटना की गहन जांच शुरू करनी चाहिए। सीपीआई (एम) ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) एअर इंडिया के विमान की दुखद दुर्घटना से बहुत दुखी है। हम दुर्घटना में मारे गए सभी यात्रियों, चालक दल के सदस्यों, मेडिकल छात्रों और डॉक्टरों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। भारत सरकार को दुर्घटना की गहन जांच शुरू करनी चाहिए और यह तय करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय लागू किए जाएं।

अहमदाबाद विमान हादसे पर मल्लिकार्जुन खरगे ने जताया दुख, कहा- रिटायर्ड जज से कराई जाए जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दुख जताया है। उन्होंने हादसे की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। साथ ही मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कांग्रेस समेत सभी संगठनों के कार्यकर्ताओं से घायलों और मृतकों के परिवारों की मदद करने की अपील की।

खरगे ने कहा कि सरकार पीड़ितों को वित्तीय और चिकित्सा सहायता सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की पूरी जिम्मेदारी ले। सरकार को यह तय करना चाहिए कि सभी घायलों को प्राथमिकता के आधार पर उपचार मिले।

उन्होंने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने और जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए घटना की उच्च स्तरीय जांच की भी मांग की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को या तो सुप्रीम कोर्ट के किसी मौजूदा जज या रिटायर्ड जज से जांच करानी चाहिए ताकि पता चल सके कि यह दुर्घटना क्यों हुई और इसका कौन जिम्मेदार है। खरगे ने दावा किया कि पायलट पर निर्धारित प्रस्थान समय से पहले उड़ान भरने का कथित दबाव था। केवल जांच से ही सच्चाई सामने आएगी।

शाह की टिप्पणी पर कांग्रेस का हमला

कांग्रेस ने अहमदाबाद में गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को असंवेदनशील करार दिया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि अमित शाह की दुर्घटनाओं को कोई नहीं रोक सकता वाली टिप्पणी त्यागपत्र है। जब कोई विमान दुर्घटनाग्रस्त होता है और लोग मरते हैं, तो गृह मंत्री कम से कम जवाबदेही का वादा तो कर ही सकते हैं, न कि कंधे उचकाकर भाग्य पर भाषण दे सकते हैं। कोई भी दुर्घटना को नहीं रोक सकता एक त्यागपत्र है। अगर कुछ भी नहीं रोका जा सकता, तो हमारे पास मंत्रालय क्यों हैं।

खेड़ा ने कहा कि विमानन दुर्घटनाएं दैवीय कृत्य नहीं हैं - उन्हें रोका जा सकता है। इसीलिए हमारे पास विमानन नियामक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संकट प्रतिक्रिया प्रणालियां हैं। गृह मंत्री के तर्क के अनुसार क्या हमें सुरक्षा बुनियादी ढांचे, विनियमन या संकट की तैयारी में निवेश करना बंद कर देना चाहिए। इसे भाग्य पर छोड़ दो और इसे खत्म कर दो? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री को अब यही कहना चाहिए? यह अत्यंत असंवेदनशील है।

फ्लाइट क्रैश में डॉक्टर हॉस्टल में मारे गए लोगों के परिवार को भी मिलेगा एक करोड़ मुआवजा? टाटा ग्रुप ने दी ये जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद एयर इंडिया की फ्लाइट क्रैश हो गई थी। इस फ्लाइट में 230 यात्रियों के अलावा कुल 242 लोग थे, जिसमें दो पायलट और 10 क्रू मेंबर्स थे। इस हादसे में फ्लाइट में सवार 241 लोगों की मौत हो गई है और सिर्फ एक ही व्यक्ति जीवित बचा है। इसका जीवित बचना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। हादसे में जान गंवाने वालों का आंकड़ा 265 तक पहुंच गया है।

बता दें कि टाटा ग्रुप के अध्यक्ष टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने हादसे के बाद मृतकों को एक-एक करोड़ रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद ये असमंजस बना हुआ था कि क्या राशि सिर्फ उन लोगों को मिलेगी जो विमान में सवार थे और हादसे का शिकार हो गए। या इस राशि का भुगतान उन लोगों के परिजनों को भी होगा जो विमान में सवार नहीं थे मगर हादसे में उनकी जान गई है।

इस मामले को लेकर अब तस्वीर साफ हुई है। एयर इंडिया के स्वामित्व वाले टाटा ग्रुप ने इस मामले पर कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति के परिजन को एक करोड़ रुपये की राशि दी जाएगी। यानी ये राशि उन मृतकों के परिजनों को भी मिलेगी जो फ्लाइट में सवार नहीं थे मगर हादसे में उनकी मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस हादसे में जान गंवाने वालों में पांच एमबीबीएस के छात्र, एक पीजी रेजिडेंट डॉक्टर और सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर की पत्नी शामिल है। बता दें कि टाटा समूह ने ये स्पष्ट किया कि हादसे में जो लोग घायल हुए हैं उनका इलाज का खर्च बी कंपनी उठाएगी। ये भी सुनिश्चित किया जाएगा की उन्हें पूरा सहयोग मिले। कंपनी ने ऐलान किया कि बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल बिल्डिंग जो हादसे में क्षतिग्रस्त हुई है उसके पुनर्निर्माण में भी मदद की जाएगी।

ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा के विदेश मंत्रियों के संपर्क में एस जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि वह अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना के संबंध में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी और अपने कनाडाई तथा पुर्तगाली समकक्षों के संपर्क में हैं। बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक सवार थे। एअर इंडिया ने पुष्टि की है कि विमान में सवार 241 लोग दुर्घटना में मारे गए।

'मुझे खुद ही नहीं पता की मैं कैसे बचा...': विश्वास कुमार

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में चमत्कारिक रूप से जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति विश्वास कुमार रमेश से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अस्पताल में मुलाकात की। पीएम मोदी के सवाल पर कि यह सब कैसे हुआ, विश्वास ने बताया, श्सब कुछ मेरी आंखों के सामने हुआ। मुझे अब भी यकीन नहीं होता कि मैं जिंदा कैसे बच गया। एक पल तो लगा कि मैं भी मर जाऊंगा। लेकिन जब आंख खुली, तो मैंने खुद को जिंदा पाया।

ओडिशा में बड़ी कार्रवाई : मुठभेड़ के बाद दो नक्सली कमांडर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में बीएसएफ और राज्य पुलिस के संयुक्त अभियान में दो नक्सली कमांडरों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई से नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता मिली है। गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान केसा कवासी और राकेश उर्फ सानू कुंजम के रूप में हुई है। बीएसएफ और ओडिशा पुलिस ने शुक्रवार को मलकानगिरी जिले के जंगलों में मुठभेड़ के बाद इन दोनों नक्सली कमांडरों को गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों ने दोनों नक्सलियों से एक पिस्तौल, दस इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, एक वॉकी-टॉकी और एक रेडियो, छह राउंड गोलियां, दो चाकू और कुछ अन्य सामान बरामद किया।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों नक्सली छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। कवासी बस्तर जिले का और राकेश बीजापुर जिले का निवासी है। दोनों नक्सली कमांडर ओडिशा, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के खिलाफ हमलों, आईईडी धमाकों के कई मामलों में संलिप्त रहे हैं और उनके खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज हैं।

केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सली समस्या को समाप्त करने की समय सीमा तय की है। इसके मद्देनजर सुरक्षा बलों ने विभिन्न राज्यों में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इस संयुक्त अभियान में बीएसएफ और ओडिशा पुलिस की भूमिका की सराहना की जा रही है।

नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता

इस गिरफ्तारी से नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई से नक्सलियों के मनोबल में कमी आएगी और वे अपने अवैध गतिविधियों को अंजाम देने में मुश्किलों का सामना करेंगे।

ग्लोबल जेंडर गैप 2025 : 131वें पायदान पर भारत, महिलाओं की स्थिति में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व आर्थिक मंच की 'ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025' में भारत पिछले साल की तुलना में दो स्थान फिसलकर 131वें स्थान पर पहुंच गया है। इस रिपोर्ट में भारत समेत 148 देशों का आकलन किया गया है। गुरुवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, मात्र 64.1 प्रतिशत समानता स्कोर के साथ भारत दक्षिण एशिया में सबसे निचले पायदान वाले देशों में से एक है। गत साल 146 देशों का आकलन किया गया था और भारत 129वें स्थान पर था। भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र प्रदर्शन में +0.3 अंकों का सुधार हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जिन आयामों में समानता बढ़ी है, उनमें से एक आर्थिक भागीदारी और अवसर है, जहां स्कोर 1.9 प्रतिशत बढ़कर 40.7 प्रतिशत हो गया है। जबकि अधिकतर संकेतक मूल्य समान रहे हैं।

भारत समेत 148 देशों का आकलन

विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में भारत समेत 148 देशों का आकलन किया गया है।मात्र 64.1 प्रतिशत के समानता स्कोर के साथ भारत दक्षिण एशिया में सबसे निचले पायदान वाले देशों में आइसलैंड लगातार 16वें साल लिस्ट में सबसे आगे है, सबसे पीछे पाकिस्तान आइसलैंड लगातार 16वें साल रैंकिंग में सबसे आगे है। उसके बाद फिनलैंड, नार्वे, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड है। नेपाल 125वें, श्रीलंका 130वें, भूटान 119वें, मालदीव अनुमानित अर्जित आय में समानता 28.6 प्रतिशत से बढ़कर 29.9 प्रतिशत हो गई है, जिसका उपसूचकांक स्कोर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। 138वें और पाकिस्तान सबसे पीछे 148वें स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक लैंगिक अंतराल 68.8 प्रतिशत तक गिर गया है, जो कोरोना महामारी के बाद श्रम बल भागीदारी दर में स्कोर पिछले साल के समान (45.9 प्रतिशत) रहे, जो कि भारत में अब तक का सर्वोच्च अंक है।

चार आयामों पर किया जाता है इसका मूल्यांकन

वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक में लैंगिक समानता को चार प्रमुख आयामों-आर्थिक भागीदारी व अवसर, शैक्षिक उपलब्धि, स्वास्थ्य व जीवन रक्षा तथा राजनीतिक सशक्तीकरण के आधार पर आंका जाता है। सबसे मजबूत वार्षिक प्रगति को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा दरों के आधार पर पूर्ण समानता कायम करने में 123 साल लग जाएंगे। शैक्षिक प्रगति के मामले में भारत ने 97.1 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, जो साक्षरता व उच्च शिक्षा प्राप्त करने में महिलाओं की हिस्सेदारी में सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है। भारत में स्वास्थ्य और जीवन रक्षा में भी उच्च समानता दर्ज की गई है। यह जन्म के समय लिंगानुपात व स्वस्थ जीवन प्रत्याशा में सुधार के कारण संभव हुआ है। हालांकि, अन्य देशों की तरह पुरुषों और महिलाओं की जीवन प्रत्याशा में समग्र कमी के बावजूद स्वस्थ जीवन प्रत्याशा में समानता प्राप्त की गई है।

छह माह में खुद खत्म हो जाएगा प्लास्टिक! कचरे के सबसे बड़े स्त्रोत पर लगाम, किसानों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मुंबई हो या दुनिया का कोई दूसरा शहर, प्लास्टिक से पैदा होने वाला कचरा सबके लिए सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरा है। देश में 26,000 टन प्लास्टिक कचरा प्रतिदिन पैदा होता है। अकेले दिल्ली में प्रतिदिन 1117 टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, लेकिन लगभग 23% कचरे का कोई प्रबंधन नहीं होता। प्लास्टिक-पॉलीथिन से पैदा होने वाला कचरा हजारों वर्षों तक नष्ट नहीं होता और किसी शहर के कुल कचरे में सबसे बड़ी और खतरनाक भूमिका निभाता है।

इसके कारण नालियों-नालों में जाम की समस्या पैदा होती है जिसके कारण बारिश का पानी भी नहीं निकल पाता और हल्की सी बारिश में भी दिल्ली-बंगलुरू जैसे शहर अपने ही पानी में डूबने लगते हैं। लेकिन दुनिया की यह सबसे बड़ी समस्या जल्द ही गुजरे जमाने की बात हो सकती है। बायो प्लास्टिक निर्माता कंपनियों ने दावा किया है कि उन्होंने ऐसा प्लास्टिक बनाने में सफलता हासिल कर ली है जो छः महीने में ही अपने आप नष्ट हो जाएंगे। यूपी के बलरामपुर की एक चीनी मिल ने इस विधि से प्लास्टिक उत्पादन का प्रयोग करना शुरू कर दिया है।

केंद्र सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बायो प्लास्टिक प्रदूषण से जूझती दुनिया के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरे हैं। गन्ना, चीनी, मक्के, घास जैसी चीजों से बनने वाले ये प्लास्टिक एक सीमित अवधि के बाद स्वयं समाप्त हो जाएंगे। इससे प्लास्टिक कचरे की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इसका सबसे अधिक लाभ खाद्य पदार्थों की सप्लाई करने, वस्तुओं की पैकिंग और फार्मा सेक्टर में पैकिंग में उपयोग हो सकता है।

उखी इंडिया के प्रबंध निदेशक विशाल विवेक ने बताया कि सामान्य दिनचर्या में उपयोग होने वाली प्लास्टिक कभी नष्ट नहीं होती, बल्कि देश और पर्यावरण के लिए समस्या बन जाती है। जबकि बायो प्लास्टिक किसानों द्वारा उत्पादित भूसी और उच्छ घास जैसी चीजों से बनाई जाती है। इस तरह से उत्पादित प्लास्टिक का उपयोग सामान्य प्लास्टिक के जैसा ही होता है, लेकिन ये एक समय के बाद स्वतः नष्ट हो जाती है। इससे पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। ये चीजें भारतीय किसानों के पास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहती हैं। यह उनके लिए अतिरिक्त आय का माध्यम बन सकता है।

किसानों को भी लाभ

किसानों की आय बढाना Aहमेशा से केंद्र सरकार की प्राथमिकता रहा है। विशेषकर गन्ना किसानों को बेहतर मूल्य उपलब्ध कराना सरकार के लिए एक चुनौती रहा है। लेकिन यदि गन्ने से चीनी बनाने के साथ-साथ इसे प्लास्टिक उत्पादन से भी जोड़ा जाए तो इससे किसानों की समस्या कम हो सकती है। यह चीनी मिलों के लिए भी अतिरिक्त आय का जरिया बन सकती है। यानी इस तकनीकी से किसान, व्यवसाय, पर्यावरण और बायो इकोनॉमी को एक साथ लाभ होगा।

लेकिन यहां है चुनौती

इस समय प्लास्टिक-पॉलीथिन का सबसे अधिक उपयोग खाद्य पदार्थों के पैकेजिंग सेक्टर में किया जाता है। तैयार भोजन या अन्य खाद्य पदार्थों को ऑनलाइन मंगवाने का चलन बढ़ने से इस सेक्टर में प्लास्टिक के उपयोग में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि एक समय बाद स्वतः नष्ट होने की प्रकृति के कारण ऐसे प्लास्टिक खाद्य वस्तुओं की पैकेजिंग में वरदान साबित हो सकते हैं क्योंकि पुराना पड़ते ही ये स्वयं नष्ट हो जाएंगे। इससे उपभोक्ताओं को एक सीमा से पुरानी वस्तुएं नहीं बची जा सकेंगी।

लेकिन सूखे मेवे लंबी अवधि तक सुरक्षित रहते हैं। ऐसे वस्तुओं की पैकेजिंग में स्वयं नष्ट होने वाले प्लास्टिक एक बाधा बन सकते हैं। इसी तरह फार्मा सेक्टर में दवाओं को लंबे समय तक के लिए सुरक्षित रखना होता है। इन वस्तुओं की पैकेजिंग में बायो प्लास्टिक का उपयोग अभी भी एक चुनौती बना हुआ है।

दिल्ली समेत देश के बाकी हिस्सों में कब पहुंचेगा मानसून? मौसम विभाग ने बता दी तारीख

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में चेहरा झुलसा देने वाली भीषण गर्मी पड़ रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने मानसून को लेकर ताजा अपडेट दिया है। इस सप्ताह से एक बार फिर दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय हो रहा है। मानसून सामान्य तिथियों से काफी पहले 25 जून तक दिल्ली सहित उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों को कवर कर लेगा।मौसम विभाग ने बताया कि मानसून भारत में सबसे पहले 24 मई को केरल पहुंचा। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में निम्न-दबाव के कारण मानसून अगले कुछ दिन में तेजी से बढ़ा और 29 मई तक मुंबई समेत मध्य महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों और पूरे पूर्वोत्तर तक जा पहुंच गया। हालांकि यह 28-29 मई से 10'1 जून तक रुका रहा।

तीन दिन पहले पति ने दी धमकी...तेरा कत्ल कराकर रहूंगा, हत्यारोपी हफीज है अंजुम का दूसरा शौहर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुंदरकी (मुरादाबाद)। अंजुम का पहले पति से तलाक हुआ तो हफीज ने नजदीकियां बढ़ा ली थीं। इसके बाद दोनों ने निकाह कर लिया लेकिन कुछ दिन बाद ही दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। हफीज महिला के चरित्र पर शक करने लगा। मामला घर की चार दीवारी से लेकर कर चौकी थाने तक पहुंच गया। अंजुम के पिता ने बताया कि हफीज ने तीन दिन पहले अंजुम का कत्ल कराने की धमकी दी थी। महिला इस मामले की शिकायत थाने में करने की तैयारी कर रही थी लेकिन उसे पहले ही उसे मौत के घाट उतार दिया गया।

मूंढपांडे थाना क्षेत्र के लाला टीकर निवासी अली हसन ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी करीब दस साल पहले केमरी निवासी शादाब के साथ की थी। तीन साल पहले दोनों के बीच तलाक हो गया था। इसके बाद अंजुम अपनी दोनों बेटियों को लेकर कुंदरकी में अपनी बहन शमीम और बहनोई रईस के घर में रहने लगी थी।

करीब एक साल पहले उसकी मुलाकात कुंदरकी में जनसेवा केंद्र चलाने वाले हफीज से हो गई थी। हफीज ने अंजुम से नजदीकियां बढ़ा ली और निकाह कर लिया था लेकिन निकाह के कुछ दिन बाद ही वह अंजुम को परेशान करने लगा। महिला के चरित्र को लेकर शक करने लगा। जिस कारण पति पत्नी के बीच आये दिन विवाद होने लगा।

करीब छह माह पहले हफीज और उसके भाई खालिद ने महिला के साथ मारपीट की थी। इस मामले में पीड़िता ने केस भी दर्ज कराया था। पिता का कहना है कि तीन दिन पहले अंजुम ने अपने बहनोई रईस उनको बताया था कि हफीज ने उसे कत्ल करवाने की धमकी दी है और बोला कि किसी से भी उसकी हत्या कराकर रहूंगा। रईस ने अंजुम से कहा कि वह थाने जाकर इस मामले की शिकायत पुलिस से कर दें। महिला की शिकायत करने से पहले ही आरोपी

हफीज ने भाई खालिद और साथी फैसल के साथ साजिश रचकर हत्या कर दी।

मेरी मां को हफीज ने गोली मारी

सात साल की इंशा और पांच साल की माही मां के साथ सो रही थीं। इंशा ने बताया कि उसकी मां को हफीज ने गोलीमारी दी। इसके बाद हफीज वहां से भाग गया। बच्ची ने हिम्मत की और कॉल कर अपनी मौसी और मौसा को घटना की जानकारी दी। इसके बाद बच्ची घर छत से नीचे उतरी और दरवाजा खोलकर अपनी मौसी और मौसा को छत पर ले गई। दहशत जदा दोनों बहनों को मौसी ने गले लगाकर ढांढस बंधाया। शमीम की सूचना पर पुलिस भी मौके पर आई थी।

गोली मारकर हत्या की वारदात से महिलाओं में दहशत

नगर के मोहल्ला नूरूल्ला में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के सामने नव विकसित कॉलोनी में सीढ़ी के सहारे घर से घुसकर एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जिससे महिलाओं को दहशत नजर आई। इससे पहले भी इसी तरह की कई सनसनीखेज वारदातें हो चुकी हैं। खास बात है कि नव विकसित कॉलोनियों में पुलिस गश्त भी नहीं होती है। जिसकी वजह से घटनाएं होती रहती हैं।

छह माह पहले अंजुम ने हफीज और खालिद पर दर्ज कराया था केस

गोली मारकर मौत के घाट उतारी गई अंजुम और हफीज के बीच निकाह के कुछ दिन ही अच्छे संबंध रहे थे। इसके बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया था। करीब छह माह पहले अंजुम ने हफीज और उसके भाई खालिद पर केस दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद दोनों भाई दिल्ली चले गए थे। कुछ दिन दिल्ली में रहने के बाद दोनों वापस आ गए थे। 15 दिन पहले भी अंजुम और हफीज के बीच विवाद हुआ था। इस मामले की शिकायत भी पुलिस से की गई थी।

यह है पूरा मामला

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के कुंदरकी नगर के मोहल्ला नूरुल्ला में बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे पति ने दो बेटियों के सामने ही पत्नी अंजुम (30) की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के समय महिला अपनी बेटियों के साथ छत पर सो रही थी। हत्यारोपी सीढ़ी लगाकर छत पर पहुंचे थे। महिला अपने पति से अलग रही रही थी और उसने देवर के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर आरोपी पति व देवर समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मूंढापांडे थाना क्षेत्र के लाला टीकर निवासी अली हसन ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी अंजुम का निकाह रामपुर जिले के केमरी निवासी शादाब के साथ किया था। शादाब से अंजुम के दो बेटियां हुईं। तीन साल पहले दंपती के बीच विवाद होने के कारण तलाक हो गया था। दो साल पहले अंजुम ने कुंदरकी के नूरुल्ला निवासी हफीज के साथ निकाह कर लिया था, लेकिन कुछ दिन बाद ही दोनों के बीच मनमुटाव रहने लगा।

अंजुम के साथ हाफिज के भाई खालिद ने मारपीट की थी। इस मामले में अंजुम ने केस दर्ज करा दिया था। इसके बाद अंजुम हफीज को छोड़कर अपनी दो बेटियों के साथ कुंदरकी में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के पास एक मकान में रहने लगी थी। बुधवार रात अंजुम अपनी दोनों बेटियों इंशा (7) और माही (5) के साथ छत पर सोई थी।

आरोप है कि बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे हाफिज, अपने भाई खालिद और दोस्त फैसल के साथ मकान की पिछली दीवार पर सीढ़ी लगाकर छत पर पहुंच गया। मच्छरदानी में सो रही अंजुम के साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला के चीखने पर उसकी बेटियां भी जाग गईं। आरोपी खालिद, फैसल ने अंजुम को पकड़ लिया और हाफिज ने सिर के ऊपर तमंचा सटाकर गोली मार दी, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

बेटियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग जाग गए। साथ ही कुंदरकी में रहने वाली अंजुम की बहन शमीम भी मौके पर पहुंच गईं और पुलिस को सूचना दी। एसएसपी सतपाल अंतिल, एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह मौके पर पहुंच गए और फोरेंसिक टीम बुला ली। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन लोगों पर केस दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छत से मोबाइल और चप्पल बरामद

पुलिस ने मकान की छत से एक तमंचा, चाकू, चप्पल और मोबाइल बरामद किया। यह मोबाइल मृतका अंजुम का बताया गया है। चप्पल हत्यारोपी के बताए जा रहे हैं। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल की गहनता से छानबीन की और साक्ष्य जुटाए।

आंत में फंसी मिली गोली

पुलिस ने अंजुम के शव का पोस्टमार्टम कराया। एक्सरे कराकर गोली का एंट्री और एग्जिट प्वाइंट देखा गया। जांच से पता चला कि महिला के सिर के ऊपर तमंचा सटाकर गोली मारी गई थी। 315 बोर की गोली आंत में फंसी मिली है। पोस्टमार्टम की डिजिटल वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी कराई गई।

मनीष कसौधन बने नगर अध्यक्ष व राजेश श्रीवास्तव हुए महामंत्री मनोनीत

सुलतानपुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के नगर कार्यकारिणी के सफलता पूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने के पश्चात प्रदेश मंत्री व क्षेत्रीय प्रभारी के दिशा निर्देश पर जिला प्रभारी प्रवीन्द्र भालोटिया की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक आहूत की गई, जिसमें जिला अध्यक्ष विजय प्रधान की संतुति पर वरिष्ठ जिला महामंत्री अंबरीश मिश्न ने पूर्व नगर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को जिला कार्यकारिणी में समायोजित कर मनीष कसौधन को नगर अध्यक्ष एंव राजेश श्रीवास्तव को नगर महामंत्री मनोनीत किया गया, साथ ही हिमांशु जायसवाल को नगर प्रभारी नियुक्त करते हुए नगर कार्यकारिणी को जल्द से जल्द पूर्ण कर व्यापारी हितों में अपना बहमूल्य योगदान प्रदान करने की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई।

विकास कार्यों की जांच में मिली अनियमित्ता व सत्यता

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। ग्रामसभा पीरोसरैया में विकास कार्यों में धांधली की शिकायत पर जांच अधिकारी जांच बिंदुओं की जांच किये। जिसमें शिकायतकर्ता के आरोपों में सत्यता मिली। पुराने पंचायत भवन को मरम्मत करने के नाम पर 2020-2021 में दो लाख पैतीस हजार दो सौ अस्सी रुपये निकाले गए। इसके बावजूद पंचायत भवन को जेसीबी से तोड़वा दिया गया। जिसकी जांच अधिकारी ने किया। तथा मेंनरोड से जूनियर स्कूल तक के इंटरलॉकिंग की शिकायत होने की तारीख के बाद लगवाए गए इंटरलॉकिंग की भी जांच उक्त अधिकारी ने किया। ग्राम पंचायत अधिकारी जितेंद्र वर्मा के साथ आये जांच अधिकारी, जगप्रसाद के दरवाजे से नहर तक इंटरलॉकिंग की जांच की। जिसमे कराए गए इंटरलॉकिंग 600 मीटर के सापेक्ष 336 मीटर ही इंटरलॉकिंग लगा मिला। मजे की बात यह रही कि जांच अधिकारी द्वारा प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी को कई नोटिस के बाद भी सेक्रेटरी जितेंद्र वर्मा जांच के दौरान कराए गए कार्यों की फाइल उपलब्ध नही करा सके। जांच के दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी विकास कार्यों में अपूर्णता व भ्रष्टाचार के आशंका के मद्देनजर कराए गए कार्यों की फाइल नही उपलब्ध कराये। तथा ग्रामीणों द्वारा यह पूंछने पर कि जांच के दौरान कराए गए कार्यों की फ़ाइल क्यों नही लाये ,वाले सवाल से जांच अधिकारी के सामने ही सेक्रेटरी कन्नी काटते रहे। फिलहाल जांच विन्दुओं की जांच में 600मीटर इंटरलॉकिंग के सापेक्ष 336 मीटर ही इंटरलॉकिंग कार्य होना बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। जांच कार्य में सेक्रेटरी द्वारा कराए गए कार्यों की फाइल उपलब्ध न कराना भी प्रधान के साथ भ्रष्टाचार में संलिप्तता की कहानी बयाँ कर रही है।

आगरा के धर्मस्थलों पर धनवर्षा...144 करोड़ से संवारे जा रहे 17 मंदिर, होलीपुरा को भी मिलेगी पहचान

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। मुगलिया स्मारकों के लिए मशहूर आगरा में धर्मस्थलों पर धनवर्षा हो रही है। 144 करोड़ रुपये से 17 मंदिरों को संवारा जा रहा है। बटेश्वर नाथ से लेकर कैलाश तक और बल्केश्वर से लेकर फूलेश्वर महादेव मंदिर तक श्रद्धालुओं को कायाकल्प नजर आएगा।

यमुना किनारे स्थित मंदिरों पर नए घाट बन रहे हैं। यमुना दर्शन के लिए डेक बनेंगी। श्रद्धालुओं के लिए मंदिरों पर बहुद्देशीय हॉल, शौचालय, सड़क के अलावा आकर्षक विद्युत सजावट होगी। स्थानीय पर्यटन विकास योजना के तहत सरकार ने मंदिरों के लिए खजाना खोल दिया है। कई चरणों में हो रहे कार्यों में कुछ कार्य पूर्ण हो गए हैं। बाकी कार्यों की प्रगति 30 से 60 प्रतिशत तक है। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के अनुसार जनपद में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

पर्यटन कार्यालय की बदलेगी सूरत

मॉल रोड स्थित पर्यटन कार्यालय की भी सूरत बदलेगी। 2.49 करोड़ रुपये कार्यालय के जीर्णोद्धार व अन्य कार्यों के लिए मिला है। रक्षा संपदा की भूमि पर स्थित पर्यटन कार्यालय पर निर्माण व अन्य कार्यों के लिए छावनी परिषद से स्वीकृति लेनी पड़ेगी।

अटल की स्मृति में मेमोरियल

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का बटेश्वर पैतृक गांव है। यहां करीब 22.76 करोड़ रुपये से अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में मेमोरियल का निर्माण होगा। आसपास क्षेत्र में आरसीसी व अन्य विकास कार्य होंगे।

इन धर्मस्थलों की बदलेगी तस्वीर

- 2.74 करोड़ रुपये से बटेश्वर में जैन तीर्थ स्थल शौरीपुर में टायलेट ब्लॉक, प्रकाश व्यवस्था व अन्य कार्य।

- 20.73 करोड़ रुपये से बटेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में घाट का निर्माण, टॉयलेट, चेजिंग रूम व अन्य कार्य।

- 4.11 करोड़ रुपये से सिकंदरा स्थित कैलाश मंदिर पर घाट निर्माण, प्रवेश द्वार, छतरी व अन्य विकास कार्य।

- 2.01 करोड़ रुपये एत्मादपुर के रहनकला में नगर कोट माता मंदिर पर हॉल, टॉयलेट, गेट, विद्युतीकरण।

- 24.08 करोड़ रुपये से बटेश्वर नाथ महादेव मंदिर में कॉरिडोर, गेट, मंडप व अन्य पर्यटन विकास कार्य।

- 2.20 करोड़ रुपये से अछनेरा के मागरौल गूजर में यमुना किनारे स्थित पश्चिमाई मंदिर पर जनसुविधाएं।

- 1.22 करोड़ रुपये से बनखंडी महादेव मंदिर में हॉल, टॉयलेट, विद्युतीकरण, पार्किंग व अन्य विकास कार्य।

- 2.68 करोड़ रुपये से मैवली खुर्द बीच की शाला में शिव मंदिर पर टॉयलेट ब्लॉक, हॉल, घाट, पाथवे।

- 48.70 लाख रुपये से एत्मादपुर स्थित चौगान में पंचमुखी महादेव मंदिर पर हॉल की मरम्मत व अन्य कार्य।

- 17.00 करोड़ रुपये से बटेश्वर स्थित प्राचीन शिव मंदिरों का हेरिटेज कंजरवेशन, जीर्णोद्धार व अन्य कार्य।

- 1.18 करोड़ रुपये से शाहगंज स्थित फूलेश्वर महादेव मंदिर पर यात्री हॉल, गेट, टॉयलेट व अन्य कार्य।

- 12.46 करोड़ रुपये से बटेश्वर स्थित प्राचीन पवित्र कुंड का विकास, पाथवे व अन्य निर्माण कार्य होंगे।

- 1.14 करोड़ रुपये से दिगरौता में रामजीराम बाबा मंदिर पर घाट निर्माण, यात्री हॉल, विद्युतीकरण आदि।

- 9.08 करोड़ रुपये से बटेश्वर मंदिर के आसपास फसाड लाइटिंग की स्थापना व अन्य विकास कार्य।

- 1.06 करोड़ रुपये से राजामंडी स्थित दरियानाथ मंदिर पर हॉल, शौचालय, विद्युतीकरण व अन्य कार्य।

- 15.26 करोड़ रुपये से सिकंदरा स्थित कैलाश मंदिर पर घाट निर्माण, सोलर लाइट, विद्युतीकरण व मरम्मत।

- 12.48 लाख रुपये से बाह स्थित हेरिटेज विलेज होलीपुरा गांव में साइनेज की स्थापना।

- 2.05 करोड़ रुपये से प्रमुख मंदिरों और स्मारकों पर प्रवेश व निकास द्वार पर साइनेज व अन्य कार्य।

- 88.30 लाख रुपये से खेड़ी स्थित धाकम माता मंदिर पर यात्री शेड, शौचालय, हॉल व पार्किंग का कार्य।

- 1.47 करोड़ रुपये से बल्केश्वर महादेव मंदिर का आईटीआई के पास भव्य प्रवेश द्वार का विकास कार्य।

- 95.11 लाख रुपये से शहीद पार्क स्थित दशरथ कुंज मंदिर पर हॉल, टॉयलेट, गेट, विद्युतीकरण आदि कार्य।

- 88.00 लाख रुपये से फतेहाबाद के भटा की पीपरी में शिव मंदिर पर बेंच, विद्युतीकरण व अन्य कार्य।

- 72.60 लाख रुपये से रुदमुली स्थित शिव मंदिर पर हॉल, टॉयलेट, गेट, बैंच, विद्युतीकरण व अन्य कार्य।

इन मंदिरों को भूल गए

एमजी रोड स्थित रावली महादेव मंदिर, यमुना किनारे पर भूरा महादेव, मोटा महादेव, रुनकता में विचित्र वीर हनुमान मंदिर, रेणुकाधाम, जगनेर में ग्वाल बाबा मंदिर, रामबाग पर यमुना किनारे राधा कृष्ण मंदिर, जयपुर हाउस में चिंताहरण महादेव मंदिर को माननीय भूल गए। इन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए प्रस्ताव ही नहीं भेजे गए।

बिना सुरक्षा कवच के नाविक नौका बिहार कराने में मशगूल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। उमस भरी प्रचंड गर्मी में व्याकुल जीव को निजात मिले, ऐसी स्थिति में सीताकुण्ड गोमती घाट पर परिवारीजन अपने परिवार सहित बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं, तथा गोमती नदी में ठंडी हवाओं अथवा नदी में नाव पर घूमने का आनंद प्राप्त कर रहे हैं, और शाम मन्दिरों में पूजा अर्चना करते दिखाई देते हैं तो वहीं नाव में बैठा कर लोगों को नदी का चक्कर लगा घूमाने वाले नाबिक बेखौफ होकर बिना लाइफ जैकेट, व बिना फ्लोर टयूब के साथ घुमा रहे है वहाँ नौका बिहार करने में आने वाले नगरवासियों को नाबिक की इस मनमानी से कभी भी बड़ी अनहोनी घटना को दावत दे रहा है।

नगर के विवेक नगर निवासी सौरभ सिंह ने बताया कि परिवार सहित मां गोमती घाट पर सैर करने के लिए आया था, जहां बच्चे नाव में बैठकर सैर करने की जिद करने लगे। नाविक के पास समुचित सुरक्षा कवच ना होने

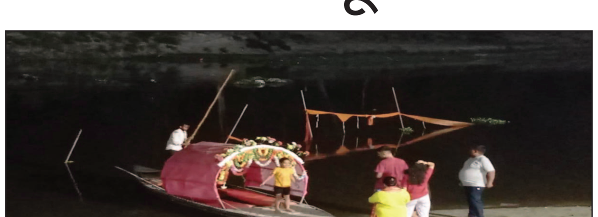

से यह कहते हुए वापस लौट गए कि गोमती नदी के बीच धारा में पहुंचने के बाद अगर कोई अनहोनी हो गई तो नाबिक किस तरीके से नदी में कूद कर पर्यटकों, यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकल सकता है। जब इस बात की जानकारी राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह को हुई तो नाबिक के इस मनमानी तरीके से नाराज होकर, इस पर सवालिया निशान खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मत्स्य विभाग कुंभकर्णी नीद सो रहा है जिसके कारण नदी में व्यवसाय कर रहे नाबिक आज आम लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहा है जो किसी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, प्रदेश महामंत्री जयशंकर दुबे ने कहा जल्द ही नियम कानून लागू नहीं किए गए तो मत्स्य विभाग के खिलाफ गौ रक्षा वाहिनी आंदोलन छेड़ेगा। इस संबंध में संघ के प्रदीप कसौधन, मुकेश कसौधन, किरन सोनी, राजवीर श्रीवास्तव, विनय तिवारी व प्रवक्ता रवि दुबे ने जिला मत्स्य अधिकारी रमाकांत पांडे से वार्ता कर ऐसे बेखौफ नाबिकों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर उनपर अंकुस लगाने की बात कही है।

महिला का अपहरण कर दुष्कर्म की कोशिश, भाजयुमो नेता समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के फरीदपुर में भाजयुमो नगर अध्यक्ष प्रदीप यादव, अरविंद यादव समेत चार लोगों के खिलाफ महिला को घर में बंधक बनाने, दुष्कर्म के प्रयास सहित कई अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इज्जतनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला की शादी फरीदपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। आरोप है कि उसका पति उसे सड़क हादसा दिखा कर उसे मार डालना चाहता था। उसका उसके पति के बीच न्यायालय में मुकदमा चल रहा है। विगत एक जून को दोपहर में महिला अपनी स्कूटी ठीक कराकर शाम छह बजे लौट रही थी।

तभी भुता रोड पर उसका पति, उसके साथ भाजयुमो नेता व दो अज्ञात लोग कार से पहुंचे और उसे कार में डालकर फरीदपुर नगर के एक मकान में ले जाकर बंद कर

दिया। यहां भाजयुमो नेता ने तमंचा दिखाकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। शोर मचाने पर मकान मालिक पहुंच गई, उन्हें देखकर आरोपी भाग गया। महिला ने बताया कि आरोपी ने धमकी दी और कहा कि दुष्कर्म करने के बाद मारकर उसका शव गायब कर देगा। महिला ने एसएसपी से आरोपी के खिलाफ गुहार लगाई थी। वहीं, आरोपी नेता का गाली देने का ऑडियो वायरल हुआ था। महिला की तहरीर पर बृहस्पतिवार को फरीदपुर पुलिस ने दो नामजद व दो अन्य अज्ञात कार सवारों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

इमरान मसूद ने हिला दी अखिलेश की मुस्लिम पॉलिटिक्स की जड़ें, क्या राजीव राय ने बीजेपी का स्लीपर सेल बताकर सपा की बढ़ा दी टेंशन?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस ने मिलकर बीजेपी को करारी मात दी थी। अब एक साल बाद दोनों ही दलों के रिश्ते पटरी से उतरते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस यूपी में अपने खोए सियासी आधार को दोबारा से हासिल करने में जुटी है तो सपा अपनी राजनीतिक जमीन पर हरहाल में पकड़ बनाए रखना चाहती है। कांग्रेस और सपा के बीच असल लड़ाई मुस्लिम वोटों को लेकर है। कांग्रेस मुस्लिम वोटों को अपने पाले में रखने की कवायद में तो सपा किसी भी सूरत में अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने देना चाहती। इसके चलते ही दोनों पार्टियों के बीच शह-मात का खेल चल रहे हैं।

कांग्रेस की तरफ से सांसद इमरान मसूद ने खुद मुस्लिमों को साधने के लिए मोर्चा संभाल रखा है। पहले सपा विधायक आशु मलिक उतरे और अब दो दिन पहले सांसद राजीव राय ने इमरान मसूद को बीजेपी का स्लीपर सेल बताया है। इसके बाद इमरान ने जवाबी हमला करते हुए अखिलेश यादव की मुस्लिम पॉलिटिक्स पर सीधा हमला बोल दिया। उन्होंने कहा कि सपा को बोलते हुए हूं मुसलमान नहीं चाहिए बल्कि दरी बिचाने वाले चाहिए। इमरान मसूद यहीं नहीं रुके उन्होंने सपा की मुस्लिम सियासत की परत-दर-परत खोलकर रख दिया।

इमरान मसूद 2024 में सहारनपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर सांसद चुने गए। इमरान को 17 साल के बाद 2024 में जीत मिली थी, जिसके बाद से ही मुस्लिम चेहरा बनने की कवायद में जुटे हुए हैं। वक्फ संशोधन कानून के लिए बने जेपीसी में सदस्य रहते हुए इमरान मसूद ने पूरी मजबूती के साथ मुस्लिमों की बात रखी थी। सांसद से सुप्रीम कोर्ट तक वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ इमरान मसूद खड़े नजर आए। इसके अलावा मुस्लिमों के जुड़े मुद्दे पर मुखर हैं और सपा से लेकर दूसरे दलों पर सवाल उठाते रहते हैं।

इमरान मसूद ने पहले सहारनपुर के देहात सीट से सपा विधायक आशू मलिक के खिलाफ मोर्चा खोला था और अब सपा की मुस्लिम सियासत को कठघरे में खड़ा करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए इमरान साफ कह चुके हैं कि कांग्रेस को सम्मान जनक सीटें मिलती हैं, तभी सपा के गठबंधन होगा। कांग्रेस अब 17-80 वाले फॉर्मूले पर नहीं चलेगी। कांग्रेस को लोकसभा में 17 सीटें मिली थी और उस लिहाज से विधानसभा की 80 सीटें मिलने की बात है। इमरान ने इस फॉर्मूले को पूरी तरह से नकार रहे हैं, जिसे लेकर सपा उनको बीजेपी का एजेंट बताने लगी है।

राजीव राय ने इमरान के बताया बीजेपी का एजेंट

सपा की तरफ से पहले विधायक आशु मलिक उतरे और अब सांसद राजीव राय ने दो दिन पहले इमरान पर करारा हमला करते हुए उन्हें बीजेपी का एजेंट करार दिया। राजीव राय ने कहा कि इमरान मसूद को ना कांग्रेस ने अधिकृत किया है, और ना ही वो इंडिया गठबंधन के प्रवक्ता है और ना ही उत्तर प्रदेश के प्रभारी हैं। वो सपा के सहारे जीते हुए एक सांसद हैं। उनको ऐसी भाषा नहीं बोलनी चाहिए जिसकी उम्मीद बीजेपी करती है। राजीव राय ने कहा कि बीजेपी को मदद करने के लिए वो ऐसे अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरान मसूद तो बीजेपी के स्लीपर सेल की तरह काम कर रहे हैं। इसका संज्ञान कांग्रेस को लेना चाहिए। वहीं, सपा के विधायक आशु मलिक ने इमरान मसूद को बीजेपी के इशारे पर काम करने के आरोप लगाते हुए हमला बोला था। इसके अलावा सपा के कई नेताओं ने इमरान मसूद के सियासी तेवरों की अलोचना कर चुके हैं।

इमरान के निशाने पर सपा की मुस्लिम सियासत

सपा सांसद राजीव राय ने इमरान मसूद को बीजेपी की स्लीपर सेल बताकर उनके तेवर को और भी आक्रामक बना दिया है। इमरान मसूद ने सपा की मुस्लिम पॉलिटिक्स की जड़े पूरी तरह से हिलाकर रख दी है। इमरान ने कहा कि लोग तय करेंगे कि कौन बीजेपी का स्लीपर सेल है। आगे चलकर आपके लिए (राजीव राय) बीजेपी का तो रास्ता खुल सकता है, लेकिन हमारे लिए कभी नहीं खुल सकता। उन्होंने कहा कि हमें स्लीपर सेल बताना आसान है, क्योंकि, सपा को बोलता हुआ मुसलमान नेता बर्दाश्त नहीं होता है। सपा को दरी बिछाने वाले नेता चाहिए, बोलते हुए मुस्लिम नहीं। इमरान मसूद ने बिना नाम लिए अखिलेश यादव की मुस्लिम सियासत को लेकर सवाल खड़े कर दिए। मुसलमानों से जुड़े तमाम मुद्दों पर खामोशी, आपकी पार्टी की लाइन, मुसलमानों को बेचैन करती है। मुकदमा दर्ज कराकर मुसलमानों की बोलती हुई आवाजों को खामोश कर दिया गया, जो मुसलमानों की आवाज उठाएगा, उसे आप बीजेपी का स्लीपर सेल बताएंगे।

समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए इमरान मसूद बोले, आपको सिर्फ दरी बिछाने वाले चाहिए, बोलते मुस्लिम आपसे बर्दाश्त नहीं होता। आपको ऐसे मुस्लिम चाहिए जो चुप रहे, आपकी चाकरी करे। जब मैं अपनी पार्टी के उत्थान की बात कर रहा हूं, तो आप सीधे हमला करने की कोशिश कर रहे हैं और मैं बीजेपी का स्लीपर सेल क्यों बनूंगा।

आजम खान और सोलंकी के बहाने सपा पर निशाना

इमरान मसूद ने कहा जितने बोलने वाले मुसलमान हैं, वो तो सब आपने (अखिलेश) खत्म कर दिए। आजम खान की बर्बादी की दास्तान किसी से छिपी नहीं है। जाहिद बेग एक साल बाद जेल से बाहर आए हैं। इरफान सोलंकी जेल के अंदर हैं। कादिर राणा की बर्बादी सामने है। साल 2009 में कल्याण सिंह और साक्षी महाराज को किसने जॉइन कराया था? पार्लियामेंट में खड़े होकर नरेंद्र मोदी के दोबारा सत्ता में आने की कामना किसने की थी। जब वक्फ संशोदन बिल संसद में पास हुआ, तो आपने अपना स्टैंड बता दिया, पूरे देश ने देखा कि आपने कैसा स्पीच दिया, पता चल गया कि कौन मजाक उड़ा रहा था। इस मुद्दे पर आपकी तरफ से कोई अमेंडमेंट तक नहीं हुआ।

अब्दुल सिर्फ दरी नहीं बिछाएगा- इमरान मसूद

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि 2022 के चुनाव में एक तरफा वोट मुसलमानों ने सपा को दिया। आप सरकार नहीं बना पाए। इसके लिए मुसलमान जिम्मेदार नहीं है।

सीबीआई ने कानपुर की ऑर्डिनेंस फैक्टरी का किया औचक निरीक्षण, अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से की जांच

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के कानपुर स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी में सीबीआई, लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। सीबीआई की टीम देर रात तक फैक्टरी में दस्तावेजों को खंगाल रही थी। सेना के अधिकारी भी सीबीआई की टीम के साथ औचक निरीक्षण कर रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो सीबीआई ने कालपी रोड स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी में वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाने के लिए औचक निरीक्षण किया है। फिलहाल अधिकारी इस मामले में कुछ भी बताने से बच रहे हैं। सीबीआई का औचक निरीक्षण शनिवार को भी जारी रहेगा।

इसके बाद जांच में सामने आए तथ्यों की जानकारी सामने आ सकती है। बता दें कि कालपी रोड स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी में तोप और गोलों का एक साथ निर्माण करती है। साथ ही सैनिकों के लिए जूते समेत तमाम अन्य सामग्री का निर्माण भी होता है। सीबीआई यह पता लगा रही है कि फैक्टरी में कहीं कोई वित्तीय अनियमितता तो अंजाम नहीं दी जा रही है।

जासूस हुआ था गिरफ्तार

बता दें कि बीते मार्च माह में कालपी रोड स्थित आर्डिनेंस फैक्टरी में कार्यरत जूनियर वर्क्स मैनेजर (जेडब्लूएम) विकास कुमार को पाकिस्तानी के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह फैक्टरी से अहम जानकारियां और दस्तावेज पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट को भेज रहा था। वह पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा से फेसबुक के जरिये संपर्क में आया था। इसके बाद हनी ट्रैप का शिकार हो गया था।

त्रिसदस्यीय अपीलीय अथारिटी की सदस्य विभा तिवारी का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के ग्राम्य विकास विभाग द्वारा त्रिसदस्यीय अपीलीय अथारिटी की सिविल सोसाइटी श्रेणी की सदस्य विभा तिवारी के कार्यकाल में एक वर्ष की वृद्धि की गई है। यह निर्णय कुछ शर्तों के साथ लिया गया है, जिसमें उल्लेख किया गया है कि यदि भविष्य में विभा तिवारी के संबंध में कोई प्रतिकूल तथ्य संज्ञान में आता है, तो चयन समिति उनके कार्यकाल के नवीनीकरण की संस्तुति पर पुनर्विचार कर सकती है।इस संबंध में ग्राम्य विकास विभाग ने कार्यालय ज्ञापन जारी कर दिया है। निर्णय शासन के विवेकाधीन अधिकार क्षेत्र में लिया गया है और यह स्पष्ट किया गया है कि पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के सिद्धांतों का पालन करते हुए यह नवीनीकरण किया गया है।ज्ञात हो कि त्रिसदस्यीय अपीलीय अथारिटी का गठन विभिन्न ग्राम्य विकास से संबंधित मामलों की अपील सुनने और निष्पक्ष निस्तारण के लिए किया गया है।

अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों को आप ने दी श्रद्धांजलि, शोक सभा में व्यक्त की गहरी संवेदना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी, उत्तर प्रदेश इकाई की ओर से शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय, लखनऊ में अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि यह हादसा सैकड़ों सपनों का असमय अंत है, जिसने पूरे देश को स्तब्ध और शोकाकुल कर दिया है। उन्होंने कहा, ₹हम मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। इस दुख की घड़ी में आम आदमी पार्टी उनके साथ खड़ी है।₹मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने कहा, ₹यह समय राजनीति का नहीं, मानवीय करुणा और संवेदना का है। जो दृश्य देखने को मिले वे हृदय विदारक हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और उनके परिजन इस दुख को सहन करने की शक्ति प्राप्त करें। लखनऊ जिलाध्यक्ष इरम रिज़वी ने कहा कि इस हादसे ने पूरे देश को भावनात्मक रूप से झकझोर दिया है। एक-एक चेहरा और उनके पीछे छिपे सपने एक पल में खत्म हो गए। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि समूचे समाज के लिए चेतना का क्षण है, उन्होंने कहा। श्रद्धांजलि सभा में दिनेश पटेल, नीलम यादव, प्रिंस सोनी, अतुल सिंह, इस्मा जहिर, अनुज पाठक, पंकज यादव, ललित बाल्मीकि, मनोज मिश्रा, रेखा जयसवाल, प्रियंका श्रीवास्तव, समसुद्दीन, राकेश अग्रवाल, विनय, धीरज सहित अन्य कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिजली कटौती के खिलाफ 18 जून को आप का प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन : संजय सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ती गर्मी और उससे भी बड़ी चुनौती बन चुकी बिजली कटौती को लेकर आम आदमी पार्टी ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बिजली संकट से त्रस्त जनता की आवाज़ उठाने के लिए 18 जून को आम आदमी पार्टी प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करेगी।संजय सिंह ने कहा कि चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में घंटों बिजली गुल रहना प्रदेशवासियों के लिए रोजमर्रा की एक बड़ी परेशानी बन चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर बिजली की दरें बढ़ा रही है, तो दूसरी ओर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में नाकाम साबित हो रही है।उन्होंने कहा, ₹बिजली कटौती के कारण आम जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, घरों में पानी की आपूर्ति प्रभावित है, छोटे कारोबारी परेशान हैं और किसान अपनी फसल की सिंचाई तक नहीं कर पा रहे। यह सिर्फ एक प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनहीनता का परिचायक है। सांसद ने तंज कसते हुए कहा, प्रदेश की जनता पूछ रही है—क्या यह अमृतकाल है या फिर सरकार हमें वापस लालटेन युग में ले जाना चाहती है? संजय सिंह ने साफ

किया कि आम आदमी पार्टी इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी। 18 जून को होने वाले विरोध प्रदर्शन में पार्टी के कार्यकर्ता, नेता और आम लोग मिलकर आवाज़ बुलंद करेंगे और सरकार से मांग करेंगे कि वह तत्काल प्रभाव से बिजली संकट पर कड़ा कदम उठाए।उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में इस प्रदर्शन में शामिल होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज़ उठाएं। संजय सिंह ने कहा, 'जब तक प्रदेश की जनता को निर्बाध और सस्ती बिजली नहीं मिलती, आम आदमी पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा।' इस एलान के साथ ही पार्टी ने बिजली संकट को लेकर प्रदेश की सियासत में नया मोर्चा खोल दिया है।

कांग्रेस आरटीआई विभाग की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न, दो पदाधिकारियों को प्रदेश महासचिव पद पर प्रोन्नत किया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सूचना का अधिकार विभाग (आरटीआई) की मासिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता विभाग के चेयरमैन पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव ने की। बैठक की शुरुआत अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर की गई।बैठक में प्रदेश और जिला स्तर के पदाधिकारियों ने अपनी मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और आरटीआई के जरिए पिछले एक माह में जुटाई गई सूचनाओं की समीक्षा की गई। संगठन को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाने की दिशा में सुझाव भी आमंत्रित किए गए। जिस पर विभागीय अध्यक्ष ने सराहना जताई। इस निर्णय से विभागीय कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ।

पारा में मुठभेड़ के बाद सिपाही की सरकारी पिस्टल चुराने वाला करन वर्मा गिरफ्तार, अवैध तमंचा, 90 हजार नकद व ज्वेलरी भी बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र में बुधवार को उत्तर प्रदेश पुलिस की बड़ी कार्रवाई में एक सिपाही के घर से पिस्टल और ज्वेलरी चुराने वाले आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी करन वर्मा निवासी मातन टोला, थाना गोसाईगंज (वर्तमान पता कांशीराम कॉलोनी) को पारा थाना पुलिस और डीसीपी पश्चिमी की क्राइम ब्रांच टीम ने बीबी खेड़ा ग्राम स्थित रेलवे लाइन के पास घेराबंदी कर दबोचा। पुलिस पर फायरिंग करने के बाद जवाबी कार्रवाई में करन घायल हुआ और ट्रामा सेंटर भेजा गया। दरअसल, 11 जून को पारा क्षेत्र की एक चार मंजिला इमारत में रहने वाले पुलिस सिपाही के मकान से एक व्यक्ति ने उनकी सरकारी ग्लॉक पिस्टल, मैग्जीन, कुछ सोने की ज्वेलरी और अन्य सामान चुरा लिया था। वारदात के बाद थाना पारा में एफआईआर दर्ज

की गई थी और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करन वर्मा के रूप में हुई। डीसीपी पश्चिमी के निर्देश पर गठित पुलिस टीम लगातार उसकी तलाश में लगी थी।12 जून की रात करीब 10:15 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बीबी खेड़ा के पास रेलवे लाइन क्षेत्र में दबिश दी। चेकिंग के दौरान करन वर्मा ने खुद को घिरा देखकर पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस की ओर से आत्मरक्षा में की गई गोलीबारी में वह घायल हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजा गया।मौके से पुलिस ने करन के पास से सिपाही की चोरी की गई सरकारी ग्लॉक पिस्टल मय मैग्जीन (08 कारतूस), कमन्डेशन डिस्क (सिल्वर), सोने की ज्वेलरी बेचकर प्राप्त 90,000 रुपये नकद, एक अवैध तमंचा 315 बोर मय एक जिंदा और एक खोखा कारतूस तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार करन वर्मा के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है और उसके आपराधिक इतिहास की भी गहराई से जांच की जा रही है। मुठभेड़ में किसी अन्य के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस टीम की सतर्कता से न सिर्फ आरोपी पकड़ा गया बल्कि एक गंभीर अपराध का पर्दाफाश भी हो गया।

इलाज के दौरान कैदी की मौत

लखनऊ। जिला कारागार लखनऊ में एक विचाराधीन कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

जानकारी के अनुसार बाराबंकी के कोतवाली नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत खानाबदोश फुटपाथ का रहने वाला कमरूद्दीन(50) धारा-174 (सी) 147 रेलवे एक्ट थाना आर.पी.एफ. बाराबंकी के मामले में दिनांक 14 मई 2025 से जिला कारागार लखनऊ में निरूद्ध था। जिसे बीमारी के चलते 05 जून 2025 को कारागार चिकित्साधिकारी के परामर्श पर बलरामपुर चिकित्सालय लखनऊ में भर्ती कराया गया था। जहां से डॉक्टरों ने 07 जून 2025 को उसे इलाज के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी भेज दिया था। जहां इलाज के दौरान के दौरान 12 जून की रात को उसकी मौत हो गई।

जेएसडब्ल्यू स्टील ने लखनऊ में लॉन्च किया एंडुरा प्लस ब्रांड, डीलर मीट में किया गया डीलरों को सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईंगंज जेएसडब्ल्यू स्टील ने लखनऊ के हिल्टन गार्डन इन, गोमती नगर में अपने नए ब्रांड एंडुरा प्लस को भव्य रूप से लॉन्च किया। इस अवसर पर आयोजित डीलर मीट में कंपनी के शीर्ष अधिकारियों और डिस्ट्रीब्यूटर्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जेएसडब्ल्यू के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर बिहारी आयरन स्टोर्स के साथ विभिन्न डीलरों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

शीर्ष अधिकारियों ने बढ़ाया डीलरों का उत्साह

कार्यक्रम में जेएसडब्ल्यू स्टील के क्षेत्रीय और जोनल प्रबंधकों ने डीलरों को प्रोत्साहित किया। उपस्थित अधिकारियों में रविकांत गुप्ता (आरएसएम नॉर्थ एंड वेस्ट), विवेक मदन (जेडएसएम नॉर्थ 2), ऐकछात्र पंपल (जेडएसएम रिटेल एक्सीलेंस), अम्बुज खन्ना (एएसएम ईस्ट यूपी), वरुण अबरोल (आरएमएम नॉर्थ), रजत नैथानी (सीएमएम नॉर्थ), ऐश्वर्या (टेरिटरी मैनेजर सेंट्रल यूपी), और बिहारी आयरन स्टोर्स के मोहित गुप्ता व सुमित गुप्ता शामिल थे। इन अधिकारियों ने डीलरों के साथ भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की और कंपनी के नवाचारों को रेखांकित किया।

एंडुरा प्लस: गुणवत्ता और टिकाऊपन का नया प्रतीक

एंडुरा प्लस ब्रांड को जेएसडब्ल्यू स्टील ने उच्च गुणवत्ता और टिकाऊपन के साथ निर्माण उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए पेश किया है। यह ब्रांड कंपनी के पर्यावरण-अनुकूल और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों की श्रृंखला में एक नया आयाम जोड़ेगा। डीलर मीट में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने इस लॉन्च को कंपनी की प्रगति में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में डीलरों को पुरस्कार वितरित कर उनके योगदान को सराहा गया, जिससे उनके बीच उत्साह का माहौल रहा।

गोसाईंगंज में रेलवे के निर्माणाधीन पुल के नीचे मिला शव

लखनऊ। गोसाईंगंज इलाके में अनूपगंज रेलवे स्टेशन के पास बन रहे ओवरब्रिज के नीचे शुक्रवार की शाम एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक गोसाईंगंज कस्बे में मोहनलालगंज रोड पर बन रहे ओवर ब्रिज रेलवे क्रॉसिंग के पास मिले शव की शिनाख्त लाला रावत (35) निवासी ग्राम सीताराम पुरवा मजरा बक्कास के रूप में हुई । मृतक लाला की ससुराल डालखेड़ा थाना गोसाईगंज में है जहां पर अपनी पत्नी खुशबू व एक पुत्र के साथ रहता था। घर वालों के अनुसार मृतक शराब का अत्यधिक सेवन करता था, पूर्व मे भी बीमार हो चुका है। शुक्रवार की सुबह साइकिल से काम के लिए निकला था। जिसका शव पुल ने नीचे पड़ा मिला।

मृतकों की आत्मा शांति हेतु कैंडल मार्च निकाल रखा 2 मिनट का मौन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु गोसाईगंज ब्लॉक में कैंडल मार्च व शोक सभा का आयोजन किया गया। मुख्य रूप से एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत के साथ ब्लॉक प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष विनय वर्मा डिंपल जिला महामंत्री राजकुमार वर्मा, समाजसेवी नागेश वर्मा, किसान मोर्चा अध्यक्ष व सक्रिय सदस्य रामदीन रावत इस कैंडल मार्च में शामिल हुए। मृतकों की आत्मा शांति हेतु 2 मिनट का मौन भी रखा गया। अपने विचार प्रकट करते हुए ब्लॉक प्रमुख संघ के लखनऊ जिला अध्यक्ष विनय वर्मा डिंपल ने कहा की हादसा एक बड़ी अनहोनी है। इसमें तमाम परिवारों ने अपनों को खोया है, कहीं तो पूरे के पूरे परिवार ही इस हादसे की भेंट चढ़ गए। विमान हादसे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विनय वर्मा डिंपल ने अश्रुपूरित आंखों से उपस्थित लोगों के साथ 2 मिनट का मौन रखा।

गोसाईगंज : पत्रकार को , किसानों की आवाज उठाना पड़ा भारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। स्वतंत्र पत्रकार आनंद विश्वकर्मा पर अपना दल (एस) के क्षेत्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र पटेल उर्फ पोनू पटेल ने शिकायत दर्ज करने के प्रार्थना पत्र दिया। साथ ही प्रभारी निरीक्षक गोसाईगंज बृजेश त्रिपाठी के हाथ में प्रार्थना पत्र देते हुए फोटो खिंचवाया, शुक्रवार को फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया

वेद प्रकाश तथा उसके खाते दारों ने कहा कि पत्रकार ने हमारी आवाज उठाई थी, हमारी जमीन पर कथित रूप से पोनू पटेल ने अवैध कब्जा कर बाउंड्री वॉल बनवाई थी। मामले के अनुसार, गाटा संख्या 1485मि में वेद प्रकाश सहित कई खातेदारों की जमीन वाले गाटे में पोनू पटेल ने 2022 में अपनी बहन के नाम 0.1008 हेक्टेयर जमीन रजिस्ट्री कराई। इसके बाद दो दिन में ताबड़तोड़ बाउंड्री वॉल खड़ी कर दी

गई। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के निकट होने के कारण यह जमीन कीमती है। वेद प्रकाश ने बताया कि जब वे खेत पहुंचे, तो उनकी जमीन पर अवैध बाउंड्री वॉल देखकर स्तब्ध रह गए। स्थानीय पत्रकार आनंद विश्वकर्मा को सूचना देने पर उन्होंने किसानों के बयान के आधार पर ब्रेकिंग न्यूज चलाई। इससे नाराज पोनू पटेल ने पत्रकार के खिलाफ अपना दल (एस) के लेटरहेड पर छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए गोसाईगंज थाना प्रभारी बृजेश त्रिपाठी को प्रार्थना पत्र दिया। सोशल मीडिया पर थाना प्रभारी का पोनू पटेल के साथ फोटो वायरल हो रहा है, जिसमें वे प्रार्थना पत्र के साथ फोटो खिंचवाते नजर आ रहे हैं। पत्रकार आनंद विश्वकर्मा का कहना है कि उन्होंने केवल किसानों की बात उठाई थी और पोनू पटेल पर कोई व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाया। वेद प्रकाश ने बताया कि उनकी जमीन पर कब्जे का विरोध करने पर अज्ञात लोगों द्वारा बाउंड्री वॉल गिरा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पोनू पटेल क्षेत्रीय अध्यक्ष के रसूख का इस्तेमाल कर मिलजुमला जमीनें खरीदने और कब्जा करने में लगे हैं। इस मामले ने कई सवाल खड़े किए हैं। क्या सत्ताधारी गठबंधन की सहयोगी पार्टी का लेटरहेड पत्रकारों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल होगा? क्या गोसाईगंज पुलिस पार्टी के दबाव में काम कर रही है? जबकि वर्तमान सरकार पत्रकारों के उत्पीड़न के खिलाफ है, ऐसे में इस घटना ने स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा दिया है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। वहीं, पत्रकार बिरादरी ने इस घटना की निंदा करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान तेज़

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में पूरे देश में चल रहे संगठन सृजन अभियान को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी अपनी तैयारियों में तेजी ला दी है। प्रदेश में संगठन निर्माण के तहत पांच स्तरीय ढांचे को मज़बूत करने और बूथ स्तर तक पार्टी को सक्रिय करने के लिए 14 जून से 19 जून तक प्रदेश भर के सभी ज़ोन के जिला एवं शहर अध्यक्षों तथा समन्वयकों की बैठकें आयोजित की जा रही हैं।यह बैठकें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे की उपस्थिति में तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में होंगी। बैठकों का उद्देश्य संगठन निर्माण की प्रगति की समीक्षा करना और 100 दिनों के भीतर सभी स्तरों पर संगठन खड़ा करने के लक्ष्य को पूरा करना है।

लखनऊ की राखी मिश्रा डॉक्टरेट मानद उपाधि से हुई सम्मानित

» दिल्ली में यूनिवर्सल आनरेरी अवार्ड काउंसिल ने डॉक्टरेट मानद उपाधि से किया सम्मानित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। चिकित्सा और स्वास्थ सेवा में अनुकरणीय योगदान के लिये दिल्ली मे आयोजित एक कार्यक्रम में बीते गुरूवार को यूनिवर्सल आनरेरी अवार्ड काउंसिल ने लखनऊ की युवा कॉस्मेटोलॉजिस्ट राखी मिश्रा को डॉक्टरेट मानद उपाधि से सम्मानित किया।इसी के साथ इस मानद उपाधि को प्राप्त करने के बाद लखनऊ की राखी मिश्रा अब डॉ.राखी मिश्रा कहलाएंगी। उन्होंने इस सम्मान को प्राप्त करने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि ये उपाधि को लखनऊ वासियो को समर्पित करती

है, क्यों कि उन्हीं के प्यार और भरोसे से आज शहर की बेटी को ये मुकाम हासिल हुआ है। राखी मिश्रा बीते दस वर्षो से चिकित्सा एवं स्वास्थ सेवा मे अटूट समर्पण और अखंडता के साथ काम करते हुये पीजीआई क्षेत्र में दो स्क्रीन एवं हेयर ट्रीटमेंट सेंटर खोल रखे है जिनमे बतौर कॉस्मेटोलॉजिस्ट वो महिलाओ समेत युवाओ को सुंदर बनाने का काम करती है।

'मुट्ठी' में शीतलपेय

एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं। जून में कायदे से गर्मी की, लू की, लू से मरने वालों की और गर्मी की बीमारियों की चर्चा होनी चाहिए, एसी-कूलर की बिक्री की चर्चा होनी चाहिए, पर हो रही है आंधी-तूफान-बारिश और जल-जमाव की। इससे भी कम चर्चा है, गर्मी में सर्दी के नाम पर आग लगाने वाली कोल्ड-ड्रिंक कंपनियों की लड़ाई की। गर्मी के साथ 'इंडियन प्रीमियर लीग' (आईपीएल) का सीजन भी बीत गया और जिस क्रिकेट और 'आईपीएल' को बहाना बनाकर पेप्सी और कोक महाभारत सी जंग लड़ा करते थे, उस ट्राफी का प्रायोजक बनने की लड़ाई लड़ते थे, वह न होने पर एक आभासी युद्ध लड़ते थे, विपणन और विज्ञापन जगत अपनी प्रतिभा को इस सीजन के लिए बचाकर रखता था, वह सब इस सीजन में कहीं नहीं दिख रहा। एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं। शीतल-पेय गांव-देहात में भी मिलता है, फैशन की चीज बन गया है, पर इस बार की शांति एक और कारण से ज्यादा चुभने वाली है।

इस बार शीतल-पेय बाजार में एक नया खिलाड़ी उतरा है जिसने दमदार दखल दी है। बाजार में आने के साथ ही उसने एक बड़े हिस्से पर कब्जा किया है, स्थापित ब्रांडों को झकझोरा है, वितरकों को निहाल कर दिया है। ग्राहक भी पुरानी कीमत में पेय की मात्रा लगभग दोगुनी पाकर खुश हैं और लग रहा है कि देश का शीतल पेय बाजार बदलने जा रहा है। दशकों पहले मर से गए एक ब्रांड, 'कैम्पा कोला' को 'पार्ले ड्रिंक्स' वाले चौहान से मामूली कीमत पर खरीदकर मुकेश अंबानी और 'रिलायंस' ने एक नए कारोबार में पैर बढ़ाए हैं और वहां के सारे समीकरण बदल दिए है। प्रतिद्वंद्वी ब्रांडों ने कीमत कम की है, मात्रा बढ़ाने की कोशिश भी हो रही है, लेकिन ग्राहक और नीचे तक के वितरक दूसरे ब्रांड से पट जाएं तो काम आसान नहीं रहता। 'पेप्सी' और 'कोक' की तरफ से अभी जवाबी हमला नहीं हुआ है, लेकिन बाजार तो बदलता दिखता है। जानकार मानते हैं कि 'कैम्पा' का शेयर दहाई में आ चुका है। जिस 'आईपीएल' के प्रसारण में 'कोक' और 'पेप्सी' तथा भारत में बिकने वाले उनके सबसे लोकप्रिय ब्रांड 'थम्सअप' के नए-नए विज्ञापनों की बाढ़ रहती थी, एक-दूसरे को 'गुलाब जामुन' और घटिया स्वाद वाला बताया जाता था, जिस लाल को अपना और नीले को दुश्मन बताया जाता था, वैसा इस बार कुछ नहीं है। दक्षिण के एक हीरो का बहुत औसत किस्म का विज्ञापन ही बार-बार दोहराया जा रहा था और सूचना दे रहा था कि 'कोक-पेप्सी' दौर के पहले जिस 'कैम्पा' का जलवा था, वह वापस लौट आया है। 'पेप्सी' ने 'पार्ले ड्रिंक्स' से काफी कुछ खरीदा था, लेकिन इन ब्रांडों को मरने के लिए छोड़ दिया था। पुराने मालिक 'बिसलेरी' में ऐसे लग गए कि इन ब्रांडों को सचमुच भूल गए। उनको 'कोक-पेप्सी' की लड़ाई में गुंजाइश नहीं लगी। अब 'रिलायंस' ने नए क्षेत्र में उतरने के फैसले के साथ इस पुराने ब्रांड पर दांव लगाया है। जानकार मानते हैं कि 'रिलायंस' बड़े स्तर के व्यापार, ग्राहक और वितरक को ज्यादा-से-ज्यादा लाभ देने की रणनीति से धमका रहा है। सांसदों और सरकार के सहारे कायदे-कानून बदलवाना, बाजार और विज्ञापन जगत में मारकाट की 'पेप्सी' और 'कोक' वाली रणनीति उसने नहीं अपनाई है। अपने पांव जमाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने तथा बड़ी संख्या में सांसद जुटाकर अपना कानून बनवाने वाली 'पेप्सी' के लिए यह भी कहा जाता है कि उसने एक आयात के बदले तीन निर्यात वाला प्रलोभनकारी दांव भी धोखे वाला खेल किया और जाने किस प्रभाव में समाजवादी कहलाने वाले मंत्री शरद यादव ने उस करार पर दस्तखत कर दिए। उस करार में यह नहीं लिखा था कि-शीतलपेय का 'कन्संट्रेट' जितनी मात्रा में आयात होगा, निर्यात भी शीतलपेय का ही होगा। हमने देखा कि 'पेप्सी' ने किस तरह छोटे निर्यातकों को थोड़े ज्यादा पैसे देकर उनके बासमती, चाय, झींगा, मसाले और इसी तरह की चीजों की खेप पर अपना मोहरा लगाकर, अपने निर्यात का कोटा पूरा किया। उसने एक पैसे का भी शीतलपेय निर्यात नहीं किया।कानून बदलते ही 'कोक' भी पधार गया तथा स्वदेशी की ठेकेदारी करने वाले रमेश चौहान ने एक मोटा पैसा लिया और ज्यादातर धंधों से हाथ खींच लिया। उसके बाद काफी कुछ हुआ, लेकिन एक अजीब बात हुई कि 'थम्सअप' ही बाजार-लीडर बना रहा। यह एक अर्थ में शीतलपेय बाजार में देसी स्वाद के बने रहने का प्रमाण था। संभव है मुकेश अंबानी और उनकी टोली को यह चीज 'कैम्पा' के तीनों ब्रांड उतारने की बड़ी वजह लगी हो, पर उनसे भी पहले यह बात 'पेप्सी' जैसी कंपनी को समझ आ गई थी-लस्सी, नींबू पानी और सत्तू का शरबत पीने वालों से भी खतरा देखकर उसने पहले साल से ही आलू, टमाटर, कीनू, अमरूद, अन्नानास वगैरह की खेती और स्नैक्स के कारोबार में हाथ लगाया।

रक्तदान बचाता है जान, इसीलिए कहते हैं इसे महादान

"रक्त दें-आशा दें : साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं" थीम पर मनाया जाएगा दिवस

मुकेश कुमार शर्मा

विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) पर विशेष

मरीज की जान बचाने के लिए जरूरत के वक्त सुरक्षित रक्त मिलना निश्चित रूप से व्यक्ति के अंदर एक आशा और विश्वास का संचार करता है।

गर्भवती माताओं के साथ ही आपात परिस्थितियों में घायलों आदि की जान सुरक्षित बनाने में रक्तदान की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसीलिए इसे महादान भी कहते हैं। रक्तदान करने योग्य हर व्यक्ति को जीवन में समय-समय पर स्वेच्छा से बिना किसी तरह के भुगतान के सुरक्षित रक्तदान कर इस महादान का पुण्य अवश्य कमाना चाहिए। स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले ऐसे व्यक्तियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए ही हर साल 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मूल मकसद लोगों को स्वेच्छा से रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना, जागरूकता बढ़ाना और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना है। इस साल विश्व रक्तदाता दिवस की थीम – "रक्त दें-आशा दें : साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं" तय की गयी है जो कि निश्चित रूप से बहुत ही सटीक है। मरीज की जान बचाने के लिए जरूरत के वक्त सुरक्षित रक्त मिलना निश्चित रूप से व्यक्ति के अंदर एक आशा और विश्वास का संचार करता है। इस दिवस पर रक्तदाताओं के प्रति हर किसी को धन्यवाद ज्ञापित करना चाहिए क्योंकि उनकी वजह से ही बिना किसी जान-पहचान के जरूरतमंदों को समय से सुरक्षित रक्त, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स आदि मिल पाता है।

जीवन में आशा की ज्योति जगाने वाले रक्तदाताओं को आज के इस खास दिन पर ही नहीं बल्कि समय-समय पर उनकी तारीफ़ अवश्य करनी चाहिए कि उनके एक यूनिट रक्तदान से एक ही नहीं बल्कि तीन-तीन लोगों की जान को सुरक्षित बनाया जा सकता है। विश्व रक्तदाता दिवस पर संकल्प लेने की जरूरत है कि हम रक्तदान कर ऐसे लोगों की जान बचाने में मदद करेंगे, जिनको उसकी नितांत आवश्यकता है। इस दिवस पर ऐसे लोगों को भी आगे आना चाहिए जो रक्तदान करने के योग्य हैं किन्तु किसी हिचक या भ्रान्ति के चलते रक्तदान से बच रहे हैं। उनको जानना चाहिए कि आशापूर्ण भविष्य के लिए आज ही स्वस्थ शुरुआत करने की जरूरत है। अस्पतालों के ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए ताकि आपात स्थिति में रक्त के अभाव में किसी की जान न जाने पाए। प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव की स्थिति

में प्रसूताओं के जीवन में तभी खुशहाली लायी जा सकती है जब समय से उन्हें सुरक्षित रक्त मिले। मातृ मृत्यु का यह कारण न बन सके इसका भी सभी को प्रयास करना चाहिए। गंभीर कुपोषित, थैलेसिमिया जैसी बीमारियों से ग्रसित बच्चों के जीवन में भी मुस्कान लाने के लिए रक्तदान जरूरी है।

18 से 65 साल की उम्र के स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते हैं, वजन 50 किलोग्राम होना चाहिए। सर्दी, जुकाम, गले में दर्द, पेट में कीड़े या अन्य संक्रमण की स्थिति में रक्तदान से बचना चाहिए। हाल ही में किसी तरह का टीका लगवाने वाले, टैटू बनवाने वाले और जल्दी ही सर्जरी करवाने वालों को भी चिकित्सक की सलाह पर ही रक्तदान करना चाहिए। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को रक्तदान से बचना चाहिए। एचआईवी व कुछ अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित, नशीली दवाओं का इंजेक्शन लेने वालों को रक्तदान नहीं करना चाहिए।

रक्तदान को लेकर कई तरह की भ्रांतियां भी समुदाय में विद्यमान हैं, जिन्हें दूर करना जरूरी है ताकि बड़ी तादाद में लोग स्वेच्छा से रक्तदान को आगे आ सकें। लोगों में यह भ्रान्ति है कि रक्तदान से शरीर में कमजोरी आती है जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है, बस चिकित्सक की बताई बातों का पालन जरूर करना चाहिए। लोग यह भी सोचते हैं कि रक्तदान बहुत तकलीफदेह प्रक्रिया है जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है, यह आधे घंटे से भी कम समय की एक सरल प्रक्रिया है। लोगों को लगता है कि रक्तदान सिर्फ एक बार ही किया जा सकता है जबकि स्वस्थ व्यक्ति साल में कम से कम चार बार निर्धारित अन्तराल पर रक्तदान कर सकता है। कुछ लोगों में यह भी भ्रान्ति है कि रक्तदान से सिर दर्द या तनाव होता है जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। इसकी पुष्टि वर्षों से रक्तदान करने वाले भी करते हैं। ब्लड प्रेशर में कमी या बढ़ोत्तरी भी रक्तदान से नहीं होती, इसलिए यह सोचना गलत है कि रक्तदान से ब्लड प्रेशर स्थिर नहीं रहता। रक्तदान से संक्रमण होने का डर भी मन से निकाल देना चाहिए।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

अजब-गजब

खूंखार तेंदुआ अचानक आ गया सामने, फिर जो हुआ वो कल्पना से परे है!

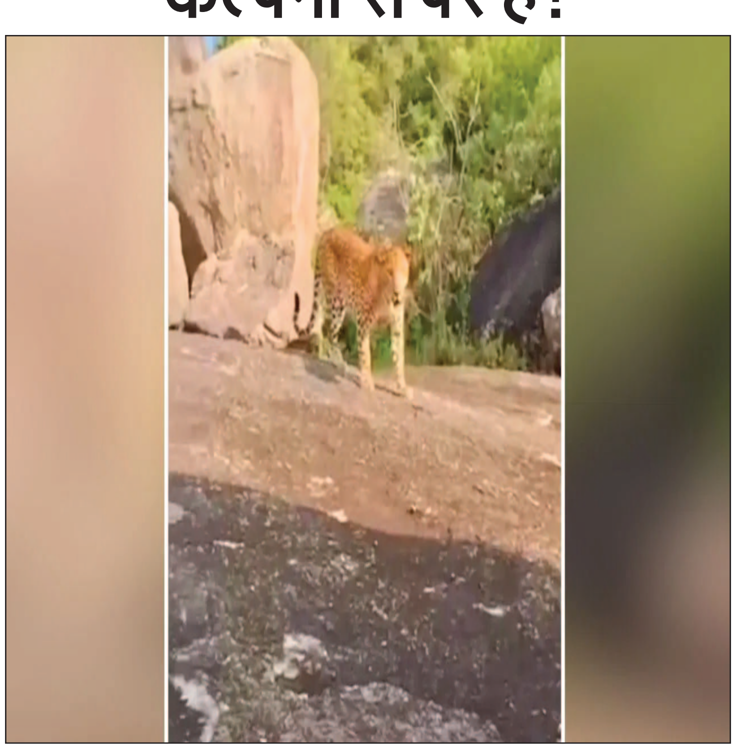

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक बेहद चौंकाने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दिखाया गया है कि एक शख्स का सामना अचानक धरती के सबसे घातक शिकारियों में एक तेंदुए से होता है। लेकिन अगले ही पल जो कुछ भी होता है, वो कल्पना से परे है। यह घटना कथित तौर श्रीलंका के कुदुम्बिगला बम्बरागस्थलवा मठ में घटी। हालांकि, टीवी9 स्थान और वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि जैसे ही शख्स की नजर खूंखार तेंदुए पर पड़ती है, वह घबराने या वहां से भागने के बजाय 'मंत्र' का जाप करना शुरू कर देता है। वीडियो में आप देखेंगे कि शख्स अपनी जगह पर स्थिर खड़ा रहा, जबकि तेंदुआ उसे घूर रहा था। सौभाग्य से, कुछ ही देर बाद जंगली जानवर वहां से चला गया, जिससे शख्स सुरक्षित बच गया और राहत महसूस करने लगा।

7 जून को यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @sl lroaming नामक अकाउंट से शेयर हुआ था, जिसे अब तक 31 हजार से अधिक लोग लाइक कर चुके हैं, और कमेंट सेक्शन में यूजर्स हैरान होकर टिप्पणी कर रहे हैं।

जहां अधिकांश नेटिजन्स इस घटना को 'चमत्कार' बता रहे हैं, तो कुछ लोगों ने शख्स की तारीफ की कि उसने ऐसी भयावह स्थिति में भी अपना संयम नहीं खोया। वहीं, कई यूजर्स ने उसकी प्रार्थना करने की पहल की भी सराहना की।

एक यूजर ने कमेंट किया, प्रार्थना सुनकर तेंदुआ भी सोच रहा होगा कि चलो नेक बंदा है, इसे छोड़ देता हूं। दूसरे यूजर ने कहा, यह एक ही समय यह वीडियो डरावना और सुंदर दोनों है। एक अन्य यूजर ने लिखा, इस एनकाउंटर को यह बंदा ताउम्र नहीं भूलेगा। एक और यूजर ने कमेंट किया, सच में प्रार्थना में बहुत ताकत है। खुशी है कि शख्स सुरक्षित बच गया।

ब्लॉग

आखिर कौन होगा भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष, अब इसके लिए लॉबिंग करवा रही हैं विदेशी खुफिया एजेंसियां?

कमलेश पांडे

देश-दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी का अगला नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन बनेगा, इसको लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के वरिष्ठ रणनीतिकारों के बीच माथापच्ची जारी है। कहने को तो यहां तक बताया जा रहा है कि अगले एक से डेढ़ महीनों में यह प्रक्रिया पूरी हो सकती है, क्योंकि राज्यों में संगठन चुनाव अंतिम चरण में हैं। लेकिन बात सिर्फ इतनी नहीं है! इसलिए सावधान! आखिर कौन होगा भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष, अब इसके लिए लॉबिंग करवा रही हैं विदेशी खुफिया एजेंसियां? जी हां, सीआईए की पूरी दिलचस्पी है इसमें! कुछ और छिपे रुस्तम होने की चर्चा है। तभी तो ब्रेक के बाद फैसला टल जाता है, पर कबतक?

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मामलों के एक जानकार ने नाम नहीं छापे जाने की शर्त पर बताया कि विगत कुछेक वर्षों से अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर किसी भी तरह से भाजपा/आरएसएस के रिश्तों को कमजोर करने में जुटी हुई है। इसके लिए वो नए भाजपा अध्यक्ष के नाम पर भी अंतर्विरोध पैदा करवा रही हैं। वहीं चीनी की खुफिया एजेंसी भारतीय विपक्ष को मजबूत करने के लिए हर दांव चल रही है। लेकिन मोदी मैजिक और योगी के हठयोग के आगे सबको पानी भरना पड़ रहा है।

वाकई, जिस तरह से इस महत्वपूर्ण पद के लिए एक अनार, सौ बीमार वाली स्थिति पैदा की जा रही है, वह किसी अन्य आशंका को भी जन्म दे रहे हैं। इसलिए भारत में कोई दूसरा 'मोरारजी देसाई' जैसा 'गद्दार पीएम' नहीं बन सके, यह भी देखना भाजपा-संघ की ही जिम्मेदारी है। क्योंकि जनता को उससे बहुत उम्मीदें हैं। इसलिए सोच समझकर फैसला करें और जल्दी करें। यही श्रेयस्कर होगा।

देखा जाए तो बीजेपी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कब मिलेगा, इसकी चर्चा तकरीबन एक-डेढ़ साल से चल रही है। जबकि अब यह तय माना जा रहा है कि अगले एक से डेढ़ महीनों के भीतर बीजेपी अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष तय कर लेगी। पार्टी मामलों के जानकारों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में सभी राज्यों में संगठन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, जिसके बाद तकरीबन 20 दिन में राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया भी पूरी हो जाएगी। इस तरह से जुलाई आखिर या अगस्त के पहले हफ्ते में यह हो सकता है। वहीं कुछ लोग बता रहे हैं कि संसद के मानसून सत्र से पहले पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय सहमति बनाई जा रही है, क्योंकि अभी तक किसी

एक नाम पर सहमति नहीं बन पाई है।

पार्टी मामलों के जानकारों के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर अभी तलक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। जबकि पार्टी के सीनियर नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सीनियर पदाधिकारियों के बीच भी किसी एक नाम पर चर्चा नहीं हुई है। चूंकि अलग-अलग वजहों जैसे- आम चुनाव 2024, विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मूकश्मीर आदि के चलते सांगठनिक चुनाव की प्रक्रिया में देरी होती रही। वाकई, पहले विधानसभा चुनाव में अलग अलग राज्य इकाइयां व्यस्त थी और फिर 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सारा फोकस वहां शिफ्ट हो गया था।

वहीं, अभी यूपी, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के नाम तय नहीं हो पाए हैं। इस प्रकार कुल 28 राज्य और 9 यूटी में से अभी तक दो दर्जन में ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हो पाए हैं। इसके अलावा, संघ प्रमुख की सहमति भी एक बड़ी वजह बनकर सामने आई है, क्योंकि लोकसभा चुनाव 2024 में भले ही बीजेपी ने 370 सीटें जीतने का टारगेट रखा था, लेकिन संघ के कथित असहयोग की वजह से मैजिक नंबर 272 तक के करीब भी नहीं पहुंच पाई थी। जिसके बाद से ही यह तय माना जा रहा है कि अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी संगठन पर ज्यादा ध्यान देगा।

यही वजह है कि अब जो भी नया अध्यक्ष बनेगा, वह संघ की पूरी सहमति से ही बनेगा। अन्यथा भाजपा की नाव बीच मझधार में डूब सकती है। चूंकि अटल-आडवाणी की जोड़ी के बाद मोदी-शाह की जोड़ी तो हिट रही है, लेकिन विभिन्न कारणों से इन्हें अब पूरी छूट नहीं दी जा सकती है। क्योंकि पहले सिंधी-पंजाबी लॉबी और अब गुजराती लॉबी के मजबूत होने का जो संदेश जनमानस में गया है, उससे हिंदी पट्टी के जागरूक लोगों में गहरी निराशा है। यह इलाका समाजवादियों/कांग्रेसियों/वामपंथियों का गढ़ रहा है। इसलिए यहां पर भाजपा-संघ की पकड़ मजबूत बनाये जाने के संघ किसी जमीनी नेता को भाजपा की कमान सौंपना चाहता है।

वहीं, संघ ने यह भी साफ कर दिया है कि चूंकि केंद्र सरकार में या राज्य सरकारों में मंत्री रह चुके कई लोगों को इस बार सरकार में जगह नहीं मिली है, इसलिए यह माना जा रहा है कि उन्हें संगठन की जिम्मेदारी दी जा सकती है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा। यही वजह है कि किसी केंद्रीय मंत्री के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की संभावना से भी पार्टी नेताओं ने इनकार किया हैं, जबकि मोदी-शाह लॉबी ऐसा ही करना चाहती है। वहीं बिहार विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय कैबिनेट फेरबदल होने की चर्चाएं भी तेज हैं, इसलिए कुछ करिश्माई फैसले की उम्मीद सबको है।

समझा जाता है कि इस बार जो भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा, वही अगले प्रधानमंत्री के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अगली कैबिनेट और राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, विभिन्न मंत्रियों आदि के चयन में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी, इसलिए संघ अपने मजबूत आदमी को इस पद पर बैठाना चाहता है, ताकि आडवाणी और शाह जैसी जलालत आगे झेलने की नौबत नहीं आए। यही वजह है कि औद्योगिक घरानों को भी संघ के सिपाहियों ने सतर्क कर दिया है कि व्यक्तिविशेष के प्रति निष्ठा रखेंगे तो मुश्किल बढ़ेगी।

भाजपा के संविधान के मुताबिक, जब कम से कम 50 प्रतिशत प्रदेशों में सांगठनिक चुनाव पूरे हो जाते हैं, उसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। ऐसे में जब राष्ट्रीय परिषद बन जाएगा तो राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन और मतदान और मतगणना की तारीख तय करते हैं। ऐसे में अगर नामांकन एक से ज्यादा उम्मीदवारों का हुआ तो फिर मतदान होता है। हालांकि बीजेपी के अब तक के इतिहास में कभी भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए मतदान की स्थिति नहीं आई है। अबतक तो निर्विरोध ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हुआ है।

बीजेपी के संविधान के मुताबिक, पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष वही व्यक्ति बन सकता है, जो कम से कम 15 वर्षों तक पार्टी का सदस्य रहा हो। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव निर्वाचक मंडल करता है, जिसमें राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और प्रदेशों के सदस्य शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में से कोई बीस सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति के नाम का संयुक्त रूप से प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले जिला संगठनों के चुनाव, प्रदेश संगठन और राष्ट्रीय परिषद के चुनाव होते हैं।

बता दें कि भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की रेस में संजय जोशी, योगी आदित्यनाथ, मनोहर लाल खट्टर, मनोज सिन्हा, शिवराज सिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, सुनील बंसल, जी किशन रेड्डी आदि का नाम आगे है। इसमें से संजय जोशी व जी किशन रेड्डी के अलावा तमाम नाम संघ की कसौटी पर अनफिट बैठते हैं। इसलिए किसी अन्य तुरूप के पत्ते की भी पूरी गुंजाइश है जिसके लिए संघ-भाजपा मशहूर रहे हैं।

इनके तीनों के अलावे तमिलनाडु से आने वाली वानति श्रीनिवासन, तमिलिसाई सौंदर्यराजन और आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम व टीडीपी संस्थापक एन.टी. रामाराव की बेटी डी. पुरंदेश्वरी का नाम भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चल रहा है। चूंकि तीनों महिलाएं दक्षिण से आती हैं। इसलिए पार्टी इन्हें मौका देकर दक्षिण में अपनी पैठ बनाने में जुटना चाहती है।

गौरतलब है कि संसद का मानसून सत्र आगामी 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। इसलिए सत्र की शुरुआत से पहले नए भाजपा अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो सकता है। इस बाबत अगले हफ्ते से पार्टी की कवायद तेज हो जाएगी और 10 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष जल्द ही चुन लिए जाएंगे। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 में खत्म हो चुका है। इसलिए अब वह एक्सटेंशन पर हैं। खास बात यह है कि नड्डा भाजपा अध्यक्ष होने के साथ-साथ मोदी सरकार में मंत्री भी हैं। यानी एक व्यक्ति एक पद के कारण भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है।

वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मानसून सत्र नहीं बल्कि अगस्त महीने में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर हलचल शुरू होने से पहले बीजेपी अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनना चाहेगी, क्योंकि चुनाव के दौरान विपक्ष के नैरेटिव को ध्वस्त किया जा सके। बता दें कि भाजपा के संविधान के मुताबिक, बीजेपी के अध्यक्ष पद का कार्यकाल तीन साल का होता है। वहीं, एक व्यक्ति दो बार से अधिक पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। अब जो भी पार्टी के नए अध्यक्ष बनेंगे, उनके सामने 12 अहम चुनाव हैं। इस साल 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव। 2026 में, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम। 2027 में, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, पंजाब, राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति चुनाव में बीजेपी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी होगी।

इस नजरिए से देखा जाए तो भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के सिर पर फूल नहीं, बल्कि कांटों का ताज होगा। उनके लिए पार्टी की तीसरी पीढ़ी के नेताओं को साधने और चौथी पीढ़ी के काबिल युवाओं को आगे बढ़ाने की दोहरी जिम्मेदारी होगी, ताकि 2047 तक भाजपा का निष्कंटक राज बना रहे। पीएम नरेंद्र मोदी यही चाहते हैं, लेकिन यह सबकुछ संघ के फैसलों पर निर्भर करता है।

अहमदाबाद विमान हादसा: जिस हॉस्टल पर गिरा विमान उसमें खाने के लिए पहुंचा था अयोध्या का अक्षत

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे में 265 लोगों की जान चली गई। यह हादसा इतना भयावह था कि बाद मंजर देख देश और दुनिया में रहने वाले बड़ी संख्या में लोगों ने डर और चिंता जाहिर की। गुजरात के अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश की चपेट में रामनगरी अयोध्या का होनहार छात्र अक्षत जायसवाल भी आ गया। अक्षत जायसवाल अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा था।

फर्स्ट ईयर में पढ़ने वाले अक्षत सोमवार को हादसे के समय अपने कॉलेज कैंपस के मेस में भोजन कर रहा था। अक्षत जायसवाल के साथ उसके अन्य कई साथी भी भोजन कर रहे थे। तभी अचानक एयर इंडिया का एक विमान अनियंत्रित होकर कॉलेज की उसी इमारत पर आ गिरा। यहीं पर बीजे मेडिकल कॉलेज के कई छात्र

दोपहर के लंच के लिए जुटे थे। दिल दहला देने वाली दुर्घटना में अयोध्या के अक्षत को गहरी चोटें आई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा अधिकारियों और उच्च अधिकारियों की कई टीम राहत व बचाव कार्य में युद्ध अस्तर पर घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। अक्षत जायसवाल के सर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें लगी हैं। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और फिलहाल डॉक्टर ने उसे गहन चिकित्सा इकाई (ICU) में रखा है।

परिवार को कैसे पता चला?

अक्षत जायसवाल अयोध्या में देवकाली क्षेत्र के भीखापुर मोहल्ले के रहने वाले हैं। अक्षत के पिता राजेश जायसवाल को कल शाम फोन पर कॉलेज के द्वारा अक्षत जायसवाल के विमान दुर्घटना में घायल होने की खबर मिली थी। परिवार को जैसे ही हादसे की सूचना मिली, वो गहरे सदमे में आ गए। अक्षत उनका इकलौता बेटा है।

देर रात हुआ ऑपरेशन

सूचना मिलते ही राजेश जायसवाल अपनी पत्नी और परिजनों के साथ तत्काल अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए। परिवार के लोगों के हॉस्पिटल पहुंचने के बाद देर रात अक्षत के पैर का ऑपरेशन किया गया। अभी उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

फिलहाल अक्षत जायसवाल के घर के लोग भीखापुर स्थित आवास पर मौजूद हैं। उन्होंने इस घटना को लेकर मीडिया से बात करने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि अक्षत की हालत पहले से ठीक है, उसका ईलाज चल रहा है।

दिन में महिला को किया 18 बार फोन, रात में वीडियो कॉल... बार-बार की यह डिमांड, शव के पास मिलीं ये दो चीजें

आर्यावर्त संवाददाता

उसहैत (बदायूं)। अमित की मौत से पुलिस ने पर्दा उठा दिया है। उसकी हत्या नहीं, बल्कि उसने खुद को गोली मारी थी। इसकी वजह उन्नाव की महिला बनी। महिला ने वीडियो कॉलिंग के दौरान अंग प्रदर्शन से इनकार कर दिया था। इसलिए अमित ने कनपटी पर गोली मार ली थी। सीडीआर के माध्यम से पुलिस महिला तक पहुंची और मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने तीनों नामजद लोगों को छोड़ दिया है।

सात जून की रात को करीब दो बजे कुंवरगांव के अमित का शव खेत में मिला था। उसके पेट पर मोबाइल और चारपाई पर एक तमंचा बरामद हुआ था। अमित के दाहिनी आंख के पास गोली लगने का घाव था और काफी खून बह गया था। इस मामले में अमित के बाबा सतीश चंद्र ने गांव के तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने उनको हिरासत में लिया लेकिन हत्या का वजह साफ नहीं हुई।

पुलिस ने अमित के पास मिले मोबाइल नंबर की सीडीआर निकाली। इससे जानकारी हुई कि घटना के दिन दो मोबाइल नंबरों पर उसने 18 बार बात की। वह नंबर उन्नाव के गांव फतेहपुर चौरासी की रहने वाली एक महिला का था। पुलिस ने उससे पूछताछ की। उसने पुलिस को बताया कि उसकी एक साल पहले फेसबुक के जरिये कुंवरगांव के अमित कुमार से पहचान हुई थी। दोनों में अक्सर बात होती थी। दोस्ती हो गई।

महिला ने बताया कि सात जून को अमित ने वीडियो कॉल किया। उसने चार कारतूस व एक तमंचा दिखाया। वह शादी करने का दबाव बनाने लगा। कई बार फोन काटा, लेकिन वह बार-बार कॉल कर रहा था। वह जिद कर रहा था कि शादी के लिए हां करो, अंग प्रदर्शन करो और मिलने आओ। जब मना किया तो वीडियो कॉल पर तमंचा दिखाकर गोली चलाई।

उसके बाद कहा कि यदि मिलने नहीं आओगी तो मैं गोली मार लूंगा। उस पर महिला ने कहा कि अभी तुम नौजवान हो कोई अच्छी सी लड़की देखकर शादी कर लो। इस तरह की बातें न किया करो। इसी बात पर उसने दूसरी गोली चलाई और फोन कट गया।

महिला ने यह भी बताया कि डर था कि कहीं अमित की मौत न हो गई हो। इसलिए उसने रात में कॉल नहीं किया। सुबह फोन किया तो बंद आया। पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। थानाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि महिला पर शादी करने व अंग प्रदर्शन करने का दबाव बना रहा था। महिला ने मना कर दिया तो अमित ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी।

राम बिहारी चौबे हत्याकांड में बाहुबली विधायक सुशील सिंह को हाईकोर्ट का नोटिस

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के चौबेपुर थानाक्षेत्र के बहुचर्चित राम बिहारी चौबे हत्याकांड में क्षेत्रीय विधायक सुशील सिंह को बतौर अभियुक्त तलब किए जाने की मांग में दाखिल निगरानी याचिका पर विधायक को नोटिस जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने अमरनाथ चौबे की निगरानी याचिका पर दिया है। कोर्ट ने याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख लगाई है और पक्षों को इस दौरान जवाब व प्रत्युत्तर हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

याची की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि अमरनाथ चौबे के पिता राम बिहारी चौबे की चार दिसंबर 2015 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। याची के भाई अभय नाथ चौबे ने वाराणसी के चौबेपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में तीन अभियुक्तों नागेन्द्र

उर्फ राजू अजय सिंह उर्फ अजय मरदह व सनी सिंह को गिरफ्तार किया। नागेन्द्र उर्फ राजू ने बयान में बताया कि उसने अजय सिंह के कहने पर हत्या को अंजाम दिया।

अजय सिंह स्थानीय विधायक सुशील सिंह के निरंतर संपर्क में रहता था इसलिए पुलिस ने विधायक सुशील सिंह के खिलाफ भी विवेचना शुरू की लेकिन उनकी राजनीतिक पहुंच और सत्ताधारी पार्टी से जुड़े होने के कारण पुलिस ने सही तरीके से विवेचना नहीं की। इस पर याची ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सीबीआई जांच की मांग की। हाईकोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए प्रदेश शासन के मुख्य सचिव की देखरेख में सीओ स्तर के अधिकारी से विवेचना कराने का निर्देश दिया। उसके बाद याची ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज को मामले की विवेचना का जिम्मा सौंपा और जांच के बाद उन्हें रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में जांच अधिकारी की रिपोर्ट वाराणसी की ट्रायल कोर्ट भेजी गई, जहां अन्य अभियुक्तों के खिलाफ ट्रायल चल रहा है। याची ने जांच अधिकारी के निष्कर्ष को खारिज करने और विधायक को बतौर अभियुक्त तलब करने के लिए ट्रायल कोर्ट में अर्जी दी। ट्रायल कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी तो यह निगरानी याचिका दाखिल की गई।

हमारी छोरी भी सोनम रघुवंशी से कम नहीं...! करवा सकती है दामाद की हत्या, थाने पहुंची मां

आर्यावर्त संवाददाता

शामली। मध्य प्रदेश के इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या उनकी ही पत्नी सोनम रघुवंशी ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर कर दी, जब दोनों हनीमून पर गए थे। इस केस की जांच अभी चल रही है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के शामली से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया, जहां एक महिला अपनी ही बेटी के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए थाने पहुंच गई और बताया कि उसकी बेटी भी उसके दामाद की अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर हत्या कर सकती है।

महिला की बात सुनकर पुलिस वाले भी चौंक गए। उसकी बेटी की शादी को 12 साल हो गए हैं। लेकिन उसकी बेटी का उसके ससुराल में ही पड़ोस में रहने वाले युवक के साथ अफेयर चल रहा है। महिला ने थाने में कहा वह अपने बॉयफ्रेंड के साथ

मिलकर मेरे दामाद को सोनम रघुवंशी की तरह मार डालेगी। इसके साथ ही महिला ने ये भी कहा कि उसकी बेटी के अफेयर के बारे में उसके ससुराल वालों को जानकारी हुई तो हम उसे मायके ले आए।

मायके से बॉयफ्रेंड के साथ भागी

दरअसल, ये मामला शामली के चौसना चौकी क्षेत्र के गांव अलीपुर से सामने आया है, जहां रहने वाले युवक की पत्नी का उसके पड़ोस में रहने वाले युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है। जब इस बारे में महिला के घर वालों को पता चला तो वह उसे उसके मायके मेरठ ले गए। लेकिन अपने मायके से भी महिला 5 दिन बाद अपने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई।

ससुराल में की तोड़फोड़ और मारपीट

महिला की मां ने आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी बेटी घर से भागने के बाद बुधवार को अपनी ससुराल गई और वहां पर अपने बॉयफ्रेंड के साथ तोड़फोड़ की। यही नहीं उसने अपने देवर के साथ भी मारपीट की और अपने ससुराल में रहने की जिद करने लगी। उसके पति ने उसे घर से जाने के लिए कहा तो उसने और हंगामा खड़ा दिया। ऐसे में उसके पति और मां ने पुलिस में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

दामाद की हत्या करवा सकती है बेटी

आरोपी महिला के पति ने भी अपनी जान को खतरा बताया है। महिला की मां ने भी अपनी बेटी से अपने दामाद को खतरा बताया और कहा कि हमारी छोरी भी सोनम रघुवंशी से कम नहीं है। वह हमारे दामाद की हत्या करवा सकती है। वह अपने प्रेमी के साथ मिलकर दामाद की हत्या की साजिश रच सकती है। मां ने चौसाना पुलिस में अपनी बेटी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों को मुचलका पाबंद किया है।

जीजा ने की साली से शादी करने की जिद, भाई ने की आत्महत्या

आर्यावर्त संवाददाता

निघासन-खीरी। मझगईं थाना क्षेत्र के एक गांव में जीजा से शादी की जिद करने पर उसके भाई ने आत्महत्या कर ली। भाई की मौतजीजा-साली की शादी ने सनसनी फैला दी थी। युवती द्वारा अपने जीजा से शादी की जिद करने पर उसके भाई ने आत्महत्या कर ली। भाई की मौत के बाद नाराज़ ग्रामीणों ने शादी तो कराई, लेकिन विदाई के समय जीजा-साली को जूते की माला पहनाकर गांव से विदा किया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। हालांकि, इस संबंध में अब तक कोई औपचारिक तहरीर नहीं दी गई है। थानाध्यक्ष राजू राव के अनुसार, युवतियों के पिता ने किसी भी प्रकार की कार्रवाई न करने का प्रार्थना पत्र सौंपा है। बताया जा रहा है कि युवती की शादी तय हो चुकी थी, लेकिन ऐन मौके पर उसने अपने बहनोई से शादी करने की जिद ठान ली। परिजनों के विरोध के बावजूद जब मामला नहीं थमा तो युवती के भाई ने आत्महत्या कर ली। भाई की मौत के बाद गांव में जबरदस्त नाराजगी फैल गई। स्थिति को संभालते हुए गांव वालों ने जीजा-साली की शादी करा दी, लेकिन नाराज़गी इस कदर थी कि विदाई के समय दोनों को जूते की माला पहनाकर गांव से बाहर किया गया। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि युवक ने अपनी पहली पत्नी की मौजूदगी में ही दूसरी शादी की और सरेआम साली की मांग में सिंदूर भरा। यह दृश्य देख पहली पत्नी फफक पड़ी, मगर कुछ कह न सकी। पिता ने दुख जताते हुए कहा, "अब मेरे पास न बेटा बचा, न बेटियों से कोई नाता। छोटी बेटी को सब कुछ पहले से पता था।

'ये मेरी प्रेमिका नहीं, मैं तो मौलाना के कहने पर इसे...' लड़की के साथ पकड़ा गया तो खुल गई बड़े कांड की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवक मौलाना के कहने पर लड़कियों को बाहर सप्लाई करने की बात कबूल कर रहा है। उसने वीडियो में ये भी खुलासा किया है कि उसके साथ इस काम में और भी लोग शामिल हैं। युवक ने अपना नाम निजामुद्दीन बताया। इसके साथ ही ये भी बताया कि वह गजरौला के खाद गुजर गांव का रहने वाला है।

वायरल वीडियो में नजर आने वाला निजामुद्दीन लड़कियों को अपने साथ ले जाकर बाहर सप्लाई करने यानी बेचे जाने की बात तक खुद कबूल कर रहा है। वह ये बात भी कबूल कर रहा है कि उसको ये काम करने के लिए मौलाना बोलते हैं। यही नहीं युवक अपने साथ तीन से चार लोगों के साथ होने की भी बात कर

रहा है। वीडियो के वायरल होते ही अमरोहा पुलिस प्रशासन हरकत में आया और मामले की जांच शुरू की।

नाबालिग बच्ची को भगाकर ले जा रहा था

अमरोहा के अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने वायरल वीडियो को लेकर बयान जारी करते हुए कहा वायरल वीडियो थाना बछरायूं क्षेत्र के गांव लख्मिया का है। वायरल वीडियो में दिख रहा युवक गांव की किसी नाबालिग बच्ची को भगाकर ले जा रहा था। जहां गांव वालों ने उसे पकड़ लिया ओर उसकी पिटाई की। जहां उसने कहा कि लड़की उसकी प्रेमिका नहीं है। बल्कि वह लड़कियों को मौलाना के कहने पर सप्लाई करता है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक निज़ामुद्दीन को हिरासत में ले लिया और केस दर्ज कर लिया गया।

पुलिस कर रही मामले की जांच

अब पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर युवक ने लड़कियों को किडनैप कर सप्लाई किए जाने यानी बेचे जाने वाली बात कही है। उसकी जांच कर रही है। हालांकि वीडियो में कही जाने वाली बात कितनी सच है और कितनी नहीं ये जांच के बाद ही पता लग सकेगा। पुलिस आरोपी से लगातार पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि वह लड़कियों को प्यार के जाल में फंसा कर अपने साथ ले जाता है और फिर मौलाना के कहने पर उन्हें बाहर बेच देता है।

घोषणा बाकी, मगर बज चुका बिगुल, जातीय सियासत की बिसात पर चली जाने लगीं पंचायत चुनाव की चालें

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। बेशक अभी सरकारी घोषणा बाकी है। मगर पंचायत चुनाव का बिगुल गांव-गांव बज चुका है। सियासी खेमे बनकर तैयार हैं। उसी खेमेबंदी की रणनीति के अनुसार मुद्दे उपजाए जा रहे हैं। शतरंज की बिसात बिछाई जा रही हैं। इसी बिसात का हिस्सा इन दिनों जिले में जातीय समीकरण बने हुए हैं। कहीं भी मुद्दा गरमाने या जातीय सियासत को रंग देने के मकसद से विवाद खड़े किए जा रहे हैं। जिनमें कहीं महापुरुषों की प्रतिमाओं का सहारा लिया जा रहा तो कहीं मामूली आपराधिक विवादों को तूल दिया जा रहा है। अपने अलीगढ़ जिले में अगर ध्यान दें तो जनवरी की शुरुआत में सबसे पहले प्रतिमा विवाद रोरावर क्षेत्र में सामने आया। उसे किसी तरह शांत किया गया। फिर दादों में ठीक उसी तरह का विवाद सामने आया। इसके अलावा अतरौली व इगलास में विवाद उपजाने के प्रयास हुए। अब चंद रोज पहले चंडौस क्षेत्र में महापुरुषों की प्रतिमा के विवाद ने तूल पकड़ा। ताजा दो गांव विजयगढ़ व इगलास फिर से विवाद की जद में हैं। इन विषयों को लेकर खुफिया टीमें भी सक्रिय हैं। अब तक जिले में 40 ऐसे गांव चिह्नित कर लिए गए हैं, जहां कभी भी जातीय विवाद तूल पकड़ सकते हैं। कहीं प्रतिमा तो कहीं अन्य विवाद सामने लाए जा सकते हैं। वहां अब सिस्टम होमवर्क करने में जुटा हुआ है। ये बिल्कुल सही है कि पंचायत चुनाव से पहले उन गांवों में यह विवाद उपजाए जा रहे, जहां जातीय सियासत का असर है। कहीं महापुरुषों की प्रतिमा के सहारे तो कहीं किसी आपराधिक घटना को रंग देकर विवाद आगे किए जा रहे हैं। हमने जिले में 40 ऐसे गांव चिह्नित किए हैं, जिनमें जातीय विवाद उपजाए जा सकते हैं।

अयोध्या में ऊंची इमारत के निर्माण पर बना नया कानून, मनमानी करने पर जमींदोज होंगे घर

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में अब राम मंदिर के आसपास मानक से अधिक ऊंचाई वाले भवनों का निर्माण नहीं किया जा सकेगा। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने ऐसे स्थानों पर सूचना बोर्ड लगा कर आम जनमानस को यह सूचना दी है। बता दें कि राम नगरी में राम मंदिर निर्माण के साथ-साथ संपूर्ण अयोध्या जिले में हजारों करोड़ों रुपए की सैकड़ों योजनाएं और परियोजना वर्तमान में चल रही है। एडीए ने अयोध्या को दो अलग-अलग जोनों में बांटा है।

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने राम मंदिर परिक्षेत्र में भवनों के निर्माण की ऊंचाई का मापदंड तय कर दिया है। अब राम मंदिर परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी भवन निर्माणकर्ता अपने आवासी और व्यवसायिक भवन निर्माण की तय की गई ऊंचाई की

सीमा से अधिक ऊंचाई में निर्माण नहीं करा सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, अयोध्या धाम क्षेत्र के कई हिस्सों को दो अलग-अलग जोनों में विभाजित किया गया है।

तय हुई भवन निर्माण ऊंचाई की सीमा

इनको जोन-1 और जोन-2 नाम से चिंहित किया गया है। इन क्षेत्रों में अब भवन निर्माण के लिए तय मानक ऊंचाई से अधिक भवनों के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। जोन-1 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले किसी भी नए भवन की अधिकतम ऊंचाई सड़क से मात्र 7.50 मीटर तक ही हो सकेगी, जबकि जोन-2 क्षेत्र में यह सीमा 15 मीटर निर्धारित की गई है। यह निर्णय अयोध्या मास्टर प्लान 2031 के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य राम नगरी की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर की गरिमा को बनाए रखना और अत्यधिक शहरीकरण पर नियंत्रण करना है।

नोटिस बोर्ड लगाकर दी गई जानकारी

राम मंदिर के आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्र में रानोपाली रेलवे क्रॉसिंग, अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन, रायगंज रोड, रानी बाजार चौराहा, तपस्वी जी की छावनी चौराहा, वाल्मीकि भवन, राम की पैड़ी का दक्षिणी भाग, लक्ष्मण घाट और साकेत डिग्री कॉलेज के पीछे का क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में विकास प्राधिकरण ने बाकायदा एक मानचित्र के साथ नोटिस बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे इन क्षेत्र के लोगों को यह जानकारी मिल सके।

'नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई'

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कोई भी व्यक्ति इन नियमों का उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जो भी व्यक्ति या संस्था बिना स्वीकृति या तय सीमा से अधिक ऊंचाई का निर्माण करेगा तो उसके खिलाफ नोटिस जारी कर भवन गिराने तक की कार्यवाही हो सकती है।

4 जिलों के 8 कॉलेजों में एक साथ कर रहे थे नौकरी, हर जगह से आती थी सैलरी... हैरान कर देगा मास्टर साहब का कारनामा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। एक मास्टर साहब, 8 नौकरी और 4 जिले सुनने में आपको हैरानी जरूरी हो रही होगी, लेकिन ऐसा उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में में रहने वाला दिनेश कुमार ने सच करके दिखाया है। इस मामले में कोर्ट के आदेश के बाद टीचर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। ये शिक्षक फर्जी दस्तावेज लगाकर 8 कॉलेज में नौकरी कर रहा था और हर कॉलेज से लाखों में सैलरी ले रहा था। फर्जी शपथ पत्र के जरिए आरोपी टीचर ने मेरठ, गाजियाबाद, सहारनपुर और पानीपत के स्कूल और कॉलेजों में नौकरी हासिल की थी।

नौकरी के साथ-साथ वह अपनी पढ़ाई भी जारी रखे हुए था। अब कोर्ट के आदेश पर मेरठ के सरधना में फर्जी टीचर पर मुकदमा दर्ज हुआ है। अटलांटिस कॉलेज और एजुकेशन की कार्यवाहक अध्यक्ष पूनम शर्मा ने कोर्ट में एक एप्लीकेशन लेटर दाखिल किया था। इस लेटर में टीचर दिनेश

कुमार पर झूठे शपथ पत्र पर नौकरी हासिल करने का आरोप लगा था। मामले में कोर्ट ने दिनेश कुमार के खिलाफ मेरठ के सरधना थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

शिक्षा जगत को शर्मसार करने वाला दिनेश कुमार 8 जगहों पर नौकरी कर रहा था। इन सभी जगहों से उसको लाखों रुपये में सैलरी आती थी। दिनेश कुमार ने मेरठ के 4 ,सहारनपुर और गाजियाबाद में 1-1 और पानीपत के 2 स्कूलों में फर्जी शपथ पत्र लगाकर नौकरी हासिल की थी। इन सभी जगह से हर महीने दिनेश कुमार को सैलरी आती थी। दिनेश कुमार पर आरोप है कि वह नौकरी के साथ-साथ बिना छुट्टी लिए ही एमएससी की भी डिग्री प्राप्त कर चुका था। दिनेश ने 2017 से 2019 के बीच एमएससी की पढ़ाई पूरी की। इस दौरान वह नौकरी से बिना छुट्टी लिए ही पढ़ाई करता रहा और एग्जाम देता रहा। साथ ही 2016 से 2019 के बीच अटलांटिस कॉलेज में कार्यरत रहते हुए दिनेश कुमार ने हेल्प सेनेटरी में डिप्लोमा भी हासिल किया था। अटलांटिस कॉलेज की कार्यवाहक अध्यक्ष पूनम शर्मा ने पुलिस को कई बार इस संबंध में शिकायत करने के बाद कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिया।

सूत्रों की माने तो दिनेश कुमार का अपने पार्टनर से विवाद चल रहा है। जिसको लेकर एक पार्टनर ने दिनेश कुमार के ऊपर फर्जीवाड़े के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर FIR दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

कम बजट में भी खास बनेगा फादर्स डे, पापा को दें ये किफायती तोहफे

इस बार 15 जून फादर्स डे मनाया जाएगा। इस दिन बच्चें अपने पापा के लिए खास सरप्राइज प्लान करते हैं और उन्हें गिफ्ट्स देते हैं। अगर आप भी अपने पापा को कोई किफायती गिफ्ट देना चाहते हैं तो हम आपके लिए बेस्ट गिफ्ट आइडिया लेकर आए हैं। जो कम पैसों में पापा को स्पेशल फील करवाने के लिए काफी हैं।

पर्सनलाइज्ड

हर साल जून के तीसरे रविवार को फादर्स डे सेलिब्रेट किया जाता है। इस बार 15 जून को फादर्स डे मनाया जाएगा। फादर्स डे का असली मतलब पापा को ये अहसास दिलाना है कि आप उन्हें कितना प्यार करते हैं और उनके हर त्याग की कद्र करते हैं। इस मौके पर आप उन्हें कुछ प्यारा और खास तोहफा भी दे सकते हैं।

अब जरूरी नहीं कि तोहफा महंगा हो, बल्कि सच्ची फीलिंग से दिया गया छोटा-सा गिफ्ट भी पापा के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। अगर आपका बजट कम है। तब भी आप वॉलेट से लेकर बेल्ट जैसे छोटे तोहफे अपने पापा को दे सकते हैं। चलिए जानते हैं ऐसे ही किफायती और यूजफुल गिफ्ट्स जो फादर्स डे को बना देंगे और भी खास ।

कम बजट में फादर्स डे के लिए किफायती गिफ्ट्स

हैंडमेड कार्ड या लेटर

आप अपने हाथों से बना प्यारा सा हैंडमेड कार्ड या लेटर अपने पापा को दे सकते हैं। इस कार्ड में आप उन्हें अपनी दिल की बात लिखिए जो उनसे अब तक नहीं कह पाएं। या उनके तारीफ भी कर सकते हैं। हाथों से बनाया गया कार्ड आपके पापा को जरूर पसंद आएगा।

फोटो फ्रेम या कोलाज

आपकी और पापा की पुरानी फोटोज को एक फ्रेम में लगाकर उन्हें गिफ्ट कर सकते हैं। वरना खुद से ही फोटो कोलाज बना सकते हैं। ये पुरानी यादें देखकर पापा के चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी।

मग या कुशन

ऑनलाइन या लोकल मार्केट से एक सिंपल मग पर या कुशन पर Best Dad या उनकी फोटो प्रिंट करवा सकते हैं। ये सस्ता भी होगा और पापा स्पेशल भी फील कराएगा।

वॉलेट गिफ्ट करें

अगर आपको पापा भी लंबे समय से एक ही वॉलेट इस्तेमाल कर रहे हैं तो इस फादर्स डे पर उन्हें एक प्यारा सा वॉलेट गिफ्ट कर सकते हैं। ये उनके काम भी आएगा और जब भी वो इसे देखेंगे तो उन्हें आप याद भी आएंगे।

बेल्ट भी है अच्छा ऑप्शन

एक अच्छी क्वालिटी की बेल्ट भी पापा को गिफ्ट करने के लिए बढ़िया ऑप्शन है। ये काफी कम दाम में मिल जाएगी और पापा के काम भी आएगी। वरना आप उन्हें एक पैन भी गिफ्ट कर सकते हैं। ये भी सस्ता और यूजफुल गिफ्ट है।

कैसे हुई थी फादर्स डे की शुरुआत?

फादर्स डे की शुरुआत अमेरिका के वांशिंगटन में हुई थी। वॉशिंगटन में सोनोरा स्मार्ट डॉड नाम की एक लड़की थी, जिसने अपने पिता के सम्मान में यह दिन मनाने की पहल की थी। सोनोरा की मां का निधन बहुत पहले हो गया था, और उसके बाद उनके पिता ने अकेले ही अपने 6 बच्चों की परवरिश की। जब उसने मदर्स डे के बारे में सुना, तो उसके मन में ख्याल आया कि पिता के लिए भी ऐसा एक दिन होना चाहिए।

1910 में पहली बार फादर्स डे मनाया गया और धीरे-धीरे यह परंपरा अमेरिका से होते हुए दुनियाभर में फैल गई। अलग-अलग देशों में इसे अलग तारीखों को मनाया जाता है, लेकिन भारत समेत कई देशों में यह जून के तीसरे रविवार को मनाया जाता है। आज फादर्स डे उस अनमोल रिश्ते को सम्मान देने का दिन बन चुका है, जो एक पिता और बच्चे के बीच होता है ।

खूबसूरत झरने, बादलों की चादर, शिलॉन्ग से सिर्फ 55 किलोमीटर दूर ये जगह जन्नत से नहीं है कम

मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग, भारत में बसी एक स्वर्ग सी जगह है जहां की खूबसूरती देखकर मन खुश हो जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि इसके आसपास घूमने के लिए कई ऐसे टूरिस्ट स्पॉट्स मौजूद हैं जहां एक बार जाने के बाद लौटने का मन नहीं करता है। यहां से सिर्फ 55 किलोमीटर दूर एक जगह है जिसे एक समय पर सबसे ज्यादा बरसात वाला एरिया माना जाता था। हम बात कर रहे हैं चेरापूंजी की जो भारत के सबसे खूबसूरत हिलस्टेशनों में से एक है। मेघालय के उत्तरी-पूर्व इलाके में बसा ये हिल स्टेशन अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए फेमस है।

चेरापूंजी हमेशा बादलों से घिरा रहता है। यहां का शांतिपूर्ण माहौल इसे और भी ज्यादा अट्रैक्टिव बनाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां पर बारिश दिन की जगह रात में होती है। इसे सोहरा नाम से भी जाना जाता है। आपने कभी न कभी किताबों में पढ़ा होगा कि इस जगह बहुत ज्यादा बारिश होती है। पर सच में ये जगह अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर है।

चेरापूंजी है खूबसूरत

शिलॉन्ग से चेरापूंजी आने का रास्ता सच में बहुत ही प्यारा है। आसपास सुंदर पहाड़ों और हरियाली को देखकर आपका वहां ठहरने का मन कर जाएगा। यहां पर आपको अनानास के पेड़, सुंदर पत्तियों वाले पौधें दिखेंगे। यहां पर आपको रास्ते में जाते वक्त झरने भी दिखेंगे। पहाड़ों के बीच से गिरते झरनों को देखना साथ में एक अद्भुत अनुभव है। यहां आकर आपको लगेगा कि सच में प्रकृति बहुत खूबसूरत है। ये जगह चीड़ और एरोकेरिया के पेड़ों से घिरी हुई है। यहां के सदाबहार जंगलों की वजह से इसे 'स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट' कहां जाता है।

चेरापूंजी में घूमने की जगह

नेहिकलिकाई वॉटरफॉल जाएं घूमने

चेरापूंजी हिलस्टेशन से कुछ दूर पर बसा नोहिकलिकाई वॉटरफॉल यहां की फेमस जगहों में से एक है। इस वॉटरफॉल के पीछे छिपी है एक कहानी। हजारों फीट ऊपर से गिरते दूधिया झरने को देखना एक खूबसूरत अनुभव है। कहा जाता है कि लिकाई नाम की एक महिला जब एक दिन अपने काम से घर लौटी तो उसने अपने पति से पूछा कि उसका बेटा कहां है? पति ने कहा, मैंने उसे काटकर खाने के लिए पका लिया है। ये सुनते ही लिकाई पागल हो गई और झरने में कूदकर अपनी जान दे दी। तब से इस झरने का नाम नोहकलिकाई पड़ गय। इस झरने में कई प्राचीन और सुंदर गुफाएं भी हैं। जो इसे और भी ज्यादा खूबसूरत बनाती हैं।

डैन्थलेन फॉल्स

चेरापूंजी में घूमने के लिए डैन्थलेन फॉल्स भी सबसे खूबसूरत जगहों में से एक हैं। ये चेरापूंजी से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ये झरना अपने विशाल रूप और चारों तरफ हरियाली से घिरा हुआ है। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता को करीब से निहार पाएंगे। यहां जाने के लिए सबसे अच्छा टाइम जून से सिंतबर तक का होता। ये जगह चेरापूंजी बस स्टैंड से लगभग 9 किलोमीटर की दूरी पर है।

गुफाओं का बगीचा

चेरापूंजी से 14 किलोमीटर दूर बसी ये एक मनमोहक और शांतिपूर्ण जगह है जहां बारिश के मौसम में झरने से बहते हुए पानी को देखना एक खूबसूरत अनुभव हो सकता है। चारों तरफ हरियाली और झरनों और तालाब से घिरी ये जगह आपकी ट्रिप को और भी ज्यादा खूबसूरत बना सकती है। इस जगह के सात हिस्से हैं सुम सिमे फॉल्स, यू मावदोहनुद(हार्ट शेप चट्टान), का सिरंग सिमे(राजा की गुफा), की स्टीह माव(योद्धा चट्टानें), यू मावखिलुंग (बेबी रॉक) और रियात उमलवाई फॉल्स।

कैसे पहुंचे चेरापूंजी?

चेरापूंजी पहुंचने के लिए आप फ्लाइट, ट्रेन या कार जैसे साधन चुन सकते हैं। फ्लाइट से आने के लिए नियरेस्ट एयरपोर्ट गुवाहाटी है जो यहां से 181 किलोमीटर दूर है। फिर यहां से आप टैक्सी या बस से आ सकते हैं। अगर आप ट्रेन से आना चाहते हैं तो नियरेस्ट रेलवे स्टेशन गुवाहाटी ही है। आप चाहें तो कार से भी चेरापूंजी आ सकते हैं।

45 डिग्री तापमान में सिर्फ पानी पीकर शरीर नहीं रहेगा हाइड्रेट, ये चीजें आएंगी काम

जब पारा 45 से 50 डिग्री पहुंच जाता है तो बहुत सी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान चलने वाली गर्म हवाएं जिन्हें लू कहा जाता है उनकी वजह से शरीर में पानी की कमी का डर बनने लग जाता है। कहते हैं कि गर्मी में खूब पानी पीना चाहिए पर जरूरी नहीं है कि ये तरीका आपको डिहाइड्रेशन से बचा सके। इसके साथ अगर कुछ ड्रिंक्स या ठंडी तासीर के फूड्स को डाइट में शामिल नहीं कर रहे हैं तो इससे आप बीमार पड़ सकते हैं।

तरबूज से लेकर बेल के शरबत तक गर्मी में बहुत सारे फ्रूट्स हैं जिन्हें डाइट में शामिल करके शरीर में पानी की कमी को दूर किया जा सकता है। तो आइए जानते हैं कि कौन-से फूड्स हैं जिन्हें आपको गर्मी में डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए।

गर्मी में इन फूड्स और ड्रिंक्स को करें डाइट में शामिल

नींबू पानी से मिलेगी ठंडक

नींबू में विटामिन सी और इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं जो शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद करते हैं। इसलिए आपको रोजाना 1 से 2 गिलास नींबू पानी जरूर पीना चाहिए। ये हेल्दी ड्रिंक स्वाद में भी लाजवाब होती है साथ ही आपके शरीर को एनर्जी देने में भी हेल्प करती है।

छाछ को करें डाइट में शामिल

आप गर्मी के मौसम में छाछ को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं क्योंकि इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं और इसकी तासीर भी ठंडी होती है जिस वजह से ये शरीर को हाइड्रेट रखने और लू से बचाने में मदद करता है।

नारियल पानी है बहुत फायदेमंद

नारियल पानी में करीब 95 प्रतिशत पानी होता है जिसकी वजह से ये डिहाइड्रेशन की समस्या से निजात दिलाने में कारगर होता है। इसकी तासीर भी ठंडी होती है यही कारण है कि ये गर्मियों में पेट को ठंडक पहुंचाने में मदद करता है।

तरबूज जरूर खाएं

गर्मी के मौसम में तरबूज को जरूर अपनी डाइट में शामिल करें। क्योंकि इसमें 90 प्रतिशत पानी होता जिस वजह से ये शरीर में पानी की कमी को दूर करता है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर भी होता है जो पाचन संबंधी समस्याओं जैसे कब्ज, एसिडिटी से भी छुटकारा दिलाता है।

खरबूजा भी है फायदेमंद

गर्मी के मौसम में खरबूजे को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। क्योंकि इसमें भी भरपूर मात्रा में पानी होता है और जरूरी पोषक तत्व भी होते हैं जिस वजह से ये गर्मी में लू से बचाव करने और शरीर को हाइड्रेट रखने में हेल्प करता है।

खीरे को बनाएं डाइट का हिस्सा

गर्मी में खीरा खाना काफी फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें 95 प्रतिशत पानी होता है जो शरीर में पानी की कमी को दूर करता है और शरीर को ठंडा भी रखता है। यहीं नहीं इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी भी होता है जो इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद करता है।

ककड़ी को भी करें डाइट में शामिल

गर्मी के मौसम में सलाद के तौर पर आप ककड़ी को भी अपनी डाइट में शामिल करें। क्योंकि इसमें 92 प्रतिशत पानी होता है जिस वजह से ये शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या को कम करता है और एनर्जी को भी बूस्ट करने में हेल्प करता है।

मिसाइल ईरान पर गिरी और आग तेल में लगी! भारत पर क्या होगा असर?

मिसाइल ईरान पर गिरी और आग तेल में लगी! भारत पर क्या होगा असर?

इज़राइल और हमास के बीच जारी जंग अब ईरान तक पहुंच गई है। इज़राइल द्वारा तेहरान में मिसाइल हमला किए जाने के बाद मध्य पूर्व में तनाव चरम पर पहुंच गया है। इसका असर वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों पर भी दिखने लगा है। महज दो दिनों में ब्रेंट क्रूड के दाम 10 डॉलर प्रति बैरल बढ़कर 75 डॉलर तक पहुंच गए। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का 85% आयात के जरिए पूरा करते हैं, इस बदलाव से सीधे प्रभावित हो सकते हैं।

भारत पर असर कितना गहरा?

भारत अपनी कुल तेल जरूरतों का लगभग 44.6% हिस्सा सिर्फ मिडिल ईस्ट से आयात करता है। ऐसे में अगर ये तनाव लंबा खिंचता है, तो क्रूड की कीमतों में और तेजी संभव है। भले ही भारत ने अपनी आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाई है, लेकिन इसके बावजूद कच्चे तेल की कीमत में 10% से अधिक की वृद्धि से आयात बिल में 90,000 करोड़ रुपये तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

किस तरह से होगा असर?

महंगाई में उछाल: अगर कच्चे तेल के दाम 10 डॉलर प्रति बैरल बढ़ते हैं, तो खुदरा महंगाई दर में 0.5% तक का इज़ाफा हो सकता है। पेट्रोल, डीज़ल और रसोई गैस जैसी आवश्यक वस्तुएं महंगी हो जाएंगी, जिससे ट्रांसपोर्ट और उत्पादन लागत भी बढ़ेगी।

आयात बिल पर दबाव: तेल के महंगे होने से भारत का चालू खाता घाटा (CAD) बढ़ सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ेगा।

रुपया कमजोर: अधिक डॉलर की मांग और बढ़ते आयात बिल के चलते रुपये में गिरावट हो सकती है। इससे न केवल तेल बल्कि अन्य आयातित वस्तुएं भी महंगी होंगी।

आर्थिक विकास धीमा: बढ़ी हुई लागत से उद्योगों और सेवाओं की ग्रोथ पर असर पड़ेगा, जिससे GDP ग्रोथ में गिरावट देखी जा सकती है।

शेयर बाजार में गिरावट: मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से पहले भी अक्टूबर 2024 में बाजार में भारी गिरावट देखी गई थी। इस बार भी सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट की आशंका है।

नौकरियों पर असर: जब महंगाई बढ़ती है, तो कंपनियां लागत कटौती के उपाय करती हैं। इसका असर नौकरियों, वेतन और प्रमोशन पर भी पड़ सकता है।

भारत की तैयारी

भारत ने तेल आयात के स्रोतों को कई देशों तक फैला दिया है। फिलहाल रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है, जो कुल आयात का लगभग 3540% हिस्सा देता है। इसके अलावा इराक, सऊदी अरब, UAE, वेनेजुएला, नाइजीरिया और अमेरिका से भी तेल खरीदा जा रहा है।

सरकार ने बायोफ्यूल और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्पों पर काम तेज कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि भारत के पास पर्याप्त भंडार है और वैश्विक संकट के बावजूद आपूर्ति बाधित नहीं होगी।

ईपीएफओ यूजर्स के लिए राहत की खबर, इस दिन से 5 लाख तक के क्लेम होंगे ऑटो सेटल

नई दिल्ली, एजेंसी। सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ ने चालू वित्त वर्ष में अब तक दावा करने के तीन दिन के ही भीतर लगभग 50 प्रतिशत दावों का निपटारा किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस अधिकारी ने पांच जून तक के आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक अप्रैल, 2025 से पांच जून, 2025 के बीच तीन दिन के भीतर कुल 68.96 लाख दावों का निपटारा किया है।

5 लाख तक का क्लेम होगा ऑटो सेटल

वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 39 प्रतिशत यानी 2.34 करोड़ था। अधिकारी ने कहा कि तीन दिनों के भीतर निपटाए गए दावों का अनुपात तेजी से बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि ईपीएफओ जल्द ही स्वचालित दावा निपटान की सीमा को मौजूदा एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर देगा।

अधिकारी ने यह भी कहा कि इस सीमा में

वृद्धि के लिए ईपीएफओ के शीर्ष निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की मंजूरी की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस काम को ईपीएफओ के कार्यकारी प्रमुख यानी केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त की तरफ से ही किया जा सकता है। केंद्रीय न्यासी बोर्ड में नियोक्ता और ट्रेड यूनियन प्रतिनिधि शामिल होते हैं जबकि इसका नेतृत्व केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री करते हैं।

फिलहाल 1 लाख के क्लेम होते हैं ऑटो सेटल

वर्तमान में, एक लाख रुपये तक के सभी पात्र निकासी दावों का निपटान स्वचालित ढंग से किया जाता है, बशर्ते सभी आवश्यक शर्तें पूरी हों। बीमारी, शिक्षा, आवास और विवाह के लिए एक लाख रुपये तक के ईपीएफओ अग्रिम दावों का निपटान केवल तीन दिन में किया गया। ईपीएफओ का अंतिम लक्ष्य पेंशन, समूह बीमा और ईपीएफ निकासी जैसे सभी प्रकार के दावों को दाखिल करने के 72 घंटों के भीतर निपटाना है।

अधिकारी ने कहा कि निकाय पुराने आंकड़ों से निपटने के तरीकों पर काम कर रहा है जिनकी वजह से दावा निपटान प्रक्रिया में देरी होती है। ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक योगदानकर्ता सदस्य हैं।

मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव, कच्चा तेल हुआ महंगा दो महीने का रिकॉर्ड टूटा

मिडल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा बाजार को झटका दिया है। शुक्रवार को तेल की कीमतों में जोरदार उछाल देखा गया, जब इज़राइल ने दावा किया कि उसने ईरान पर हमला किया है। इस खबर के बाद ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई (WTI) दोनों बेंचमार्क कच्चे तेल की कीमतें 5% से ज्यादा बढ़ गईं और यह फरवरी के बाद पहली बार दो महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं।

तेल कंपनियों के स्टॉक्स में तेजी

विश्लेषकों का कहना है कि यह उछाल पूरी तरह भू-राजनीतिक जोखिमों से प्रेरित है। मिडिल ईस्ट पहले से ही ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक संवेदनशील क्षेत्र रहा है और इज़राइल-ईरान के बीच की यह ताजा झड़प वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ा रही है कि कहीं यह तनाव बड़े स्तर पर युद्ध में न बदल जाए, जिससे तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है। वहीं,

इस तनाव के चलते और क्रूड ऑयल की कीमतों में उबाल के चलतेशेयर मार्केट में ONGC और Oil India के शेयरों में 4% तक की तेजी आई।

ऐसा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से हुआ। जब कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों को तेल बेचकर होने वाली कमाई बेहतर होने की उम्मीद बढ़ जाती है। ONGC का शेयर आज ₹251.05 पर खुला और सुबह में ही ₹255.15 के उच्चस्तर तक पहुंच गया।

क्या हैं इसके असर?

भारत जैसे तेल आयातक देशों पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। भारत अपनी ज़रूरत का लगभग 85% कच्चा तेल आयात करता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। इससे ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टर्स पर महंगाई का दबाव और तेज़ हो सकता है। इसके साथ ही रुपये पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है, क्योंकि अधिक डॉलर में तेल आयात करने से ट्रेड डेफिसिट बढ़ सकता है। निवेशकों के लिए भी यह संकेत है कि भू-राजनीतिक घटनाओं का बाजार पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है, खासकर तेल और गैस क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों पर।

क्या आगे और बढ़ेगी कीमत?

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर ईरान और इज़राइल के बीच तनाव और बढ़ता है या अगर क्षेत्र के अन्य देश इसमें खिंचते हैं, तो तेल की कीमतें और ऊंची जा सकती हैं। कुछ अनुमान बता रहे हैं कि अगर ईरान की तेल आपूर्ति पर असर पड़ा, तो ब्रेंट क्रूड की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार भी जा सकती हैं। फिलहाल, निवेशकों और नीति निर्माताओं की निगाहें इस क्षेत्र की स्थिति पर टिकी हुई हैं, क्योंकि यह सिर्फ तेल की कीमतों ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकती है।

छिड़ गई नई जंग, इजराइल ने ईरान पर किए हमले, परमाणु ठिकानों को किया तबाह

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल ने शुक्रवार तड़के ईरान पर हमला किया। इजराइल ने राजधानी तेहरान को निशाना बनाया और बम बरसाए। इस हमले में पूरा तेहरान दहल गया। इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को तबाह कर दिया है। यह अटैक ऐसे समय हुआ है जब तेहरान के तेजी से आगे बढ़ रहे परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। इस अटैक में ईरान के सेना प्रमुख, न्यूक्लियर साइंटिस्ट समेत कई प्रमुख अधिकारियों की मौत का दावा भी किया जा रहा है।

इस अटैक को लेकर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने दावा किया कि इजराइल ने 'टारगेटिड' ऑपरेशन लॉन्च किया है। नेतन्याहू ने कहा, ईरान के परमाणु बनाने वाले वैज्ञानिकों को निशाना बनाया गया है। इस अटैक में इजराइल ने ईरान को भारी चोट पहुंचाने का दावा किया है। इजराइल ने कहा कि उसने परमाणु और सैन्य स्थलों को निशाना बनाया। हालांकि, ईरान पर हमला करने के बाद इजराइल ने अपना एयर स्पेस बंद कर दिया है।

परमाणु ठिकानों को किया तबाह

यह हमला ऐसे समय हुआ है जब तेहरान के तेजी से आगे बढ़ रहे परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। खबरें सामने आ रही थी कि ईरान तेजी से अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरा करने जा रहा है। इसी के बाद इजराइल की तरफ से किया गया यह हमला काफी बड़ा है। क्योंकि इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को इस अटैक में तबाह कर दिया है। सुबह तड़के ही तेहरान में विस्फोटों की आवाजें सुनाई देने लगी, हर तरफ धुआं ही धुआं दिखाई देने लगा। हालांकि, ईरान ने पहले ही कहा था कि अगर इजराइल हमला करेगा तो ईरान भी करारा जवाब देगा।

जहां लगातार यह खबरें सामने आ रही थी कि ईरान बहुत जल्द न्यूक्लियर पावर बनने जा रहा है। इस दिशा में ईरान तेजी से काम कर रहा था, लेकिन इजराइल ने अब इन्हीं न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाया है। दरअसल, इजराइल ने वर्षों से चेतावनी दी है कि वो ईरान को परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं देगा। इसी के चलते अब इजराइल ने अपनी बात को सच साबित कर दिया है।

एक इजराइली सैन्य अधिकारी का कहना है कि उनके देश ने ईरानी परमाणु स्थलों को सैन्य ठिकानों को उनकी पहचान किए बिना निशाना बनाया। इजराइल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने कहा कि उनके देश ने ईरान पर हमला किया, लेकिन उन्होंने इस बात की जानकारी नहीं दी कि उन्होंने किस-किस जगह को निशाना बनाया।

क्या ईरान करेगा पलटवार?

रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने इस हमले के बाद इस बात की साफ उम्मीद जताई है कि ईरान अब उस पर पलटवार कर सकता है। इसी के चलते उन्होंने कहा, ईरान के खिलाफ इजराइल के हमले के मद्देनजर, इजराइल को उम्मीद है कि देश में मिसाइल और ड्रोन से तुरंत हमले हो सकते हैं। बयान में कहा गया है कि काट्ज़ ने इजराइल में आपातकालीन स्थिति की घोषणा करते हुए एक विशेष आदेश पर हस्ताक्षर किए।

ईरान में अलर्ट जारी

इस बात की जानकारी अभी पूरी तरह से सामने नहीं आई है कि ईरान नें कहां-कहां नुकसान हुआ है। कितने परमाणु ठिकानों को तबाह किया गया है। हालांकि पश्चिमी तेहरान के पड़ोस चितगर से धुआं उठता देखा जा सकता है। लेकिन जानकारी के मुताबिक, इस हमले के बाद ईराम में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा, इजराइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की। हम ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं हैं और हमारा फोकस क्षेत्र में अमेरिकी बलों की रक्षा करना है। इजराइल ने हमें सलाह दी कि उनका मानना है कि यह कार्रवाई उसकी आत्मरक्षा के लिए जरूरी थी।

ईरान के सीने पर वार, इजराइल ने नष्ट किया सबसे खतरनाक परमाणु ठिकाना नतांज

यरुशलम, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच जारी तनाव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। शुक्रवार को इजराइल ने ईरान की कई परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इनमें सबसे बड़ा झटका ईरान के नतांज एनरिचमेंट फैसिलिटी को लगा है, जिसे अब पूरी तरह तबाह बताया जा रहा है। ईरान के एटॉमिक एनर्जी प्रमुख ने खुद इस बात की पुष्टि की है कि नतांज रिएक्टर अब नहीं बचा।

नतांज न्यूक्लियर फैसिलिटी ईरान की सबसे महत्वपूर्ण यूरेनियम संवर्धन (enrichment) साइट मानी जाती है। ये राजधानी तेहरान से करीब 220 किलोमीटर दूर है। इस फैसिलिटी के कई हिस्से जमीन के नीचे बनाए गए थे ताकि हवाई हमलों से बचाव हो सके। यहां सेंट्रीफ्यूज की कई कैस्केड्स लगे थे, जिनके ज़रिए यूरेनियम को उच्च स्तर पर संवर्धित किया जाता था।

नतांज को ईरान के परमाणु कार्यक्रम का दिल माना जाता है। इसी वजह से यह साइट पहले भी हमलों और साइबर अटैक्स का निशाना बन चुकी है। 2010 में इस साइट पर स्टक्सनेट वायरस से हमला हुआ था, जिसे इजराइल और अमेरिका की जॉइंट ऑपरेशन माना जाता है। उस हमले में ईरान के कई सेंट्रीफ्यूज बर्बाद हो गए थे। इसके अलावा दो बार और यहां तोड़फोड़ हुई, जिनका आरोप इजराइल पर ही लगा।

ये परिसर साल 2002 में पहली बार दुनिया की नजरों में तब आया था, जब सैटेलाइट तस्वीरों से इसका खुलासा किया गया था। यहां ईरान ने हजारों की संख्या में सेंटरफ्यूज मशीनें लगा रखी हैं, जिनका इस्तेमाल यूरेनियम को 3.5% से लेकर 60% तक संवर्धित करने के लिए किया जाता है। परमाणु बम बनाने के लिए लगभग 90% संवर्धन की जरूरत होती है।

IAEA की चेतावनी और ईरानी पलटवार

इस हमले से ठीक एक दिन पहले इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (IAEA) ने 20 सालों में पहली बार ईरान की आलोचना करते हुए कहा था कि तेहरान एजेंसी के साथ सहयोग नहीं कर रहा। जवाब में ईरान ने न सिर्फ और ज्यादा यूरेनियम संवर्धन की बात कही, बल्कि नए एडवांस्ड सेंट्रीफ्यूज लगाने की घोषणा भी कर दी। अमेरिका और ईरान के बीच कुछ समय से बातचीत चल रही थी जिसमें अमेरिका अपने प्रतिबंधों में ढील देने के बदले ईरान से यूरेनियम संवर्धन सीमित करने की उम्मीद कर रहा था। लेकिन अब इस हमले के बाद कूटनीतिक रास्ते और भी कठिन होते दिख रहे हैं।

ईरान पर हमला कर फंस गए नेतन्याहू? अमेरिका के बाद अब अपने ही सेना प्रमुख ने दिया झटका

यरुशलम, एजेंसी। ईरान पर अटैक कर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू बुरी तरह फंस गए हैं। एक तरफ अमेरिका ने सीधे तौर पर इजराइल को समर्थन देने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का कहना है कि इजराइल ने यह हमला खुद से किया है। वहीं अब इजराइल से जो खबर आ रही है, वो काफी चिंताजनक है।

अल अरबिया के मुताबिक इजराइल डिफेंस फोर्स ने ईरान पर हमले को लेकर नेतन्याहू को आगाह किया था। डिफेंस फोर्स के चीफ जमीर ने कहा था कि बिना अमेरिका के समर्थन लिए ईरान पर हमला नहीं करना चाहिए। अल अरबिया ने इजराइली सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि डिफेंस फोर्स के चीफ ने बैठक में प्रधानमंत्री नेतन्याहू से यह भी कहा कि हम अकेले ईरान से नहीं लड़ पाएंगे। ईरान कोई प्रॉक्सी संगठन नहीं है। वह एक देश है और उससे जंग लड़ना होगा, जिसके लिए सेना अभी तैनात नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के डिफेंस फोर्स के चीफ की इन बातों से इजरायली वायु सेना प्रमुख टोमर बार सहमत थे।

कम से कम 2 हफ्ते तक जंग चलेगा

Ynet मीडिया के मुताबिक इजराइल के अधिकारियों ने बैठक में कहा कि अगर हम हमला करते हैं तो कम से कम 2 हफ्ते तक जंग चल सकता है। ऐसे में हमें इसकी पूरी तैयारी करनी चाहिए। इजराइल के अधिकारियों का कहना था कि हम अभी मिलिशिया ग्रुप से लड़ रहे हैं। ऐसे में सेना की स्थिति कमजोर है, इसलिए हम लोगों को थोड़ा रुकने की जरूरत है।

नेतन्याहू ने लिया फाइनल फैसला

अधिकारियों की दलील सुनने के बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने फाइनल फैसला किया। नेतन्याहू का कहना था कि ईरान परमाणु बम बना रहा है। अगर बम बना लेता है तो आने वाले वक्त में उस पर हमला करना आसान नहीं होगा। इसके बाद इजराइल एयरफोर्स ने ईरान पर हमले की कवायद शुरू की। तेहरान के आसपास 6 ठिकानों पर आईएएफ ने स्ट्राइक किया। इस स्ट्राइक में जहां ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट किया गया है। वहीं उसके बड़े अफसरों को भी मार दिया गया है। इजराइल के स्ट्राइक के बाद ईरान ने बदला लेने की कसम खाई है। वहीं सऊदी अरब ने भी इजराइल का विरोध किया है। सऊदी को अमेरिका का करीबी माना जाता है।

ईरान में अब धरती से निकलेगी मौत? परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद क्या है न्यूक्लियर रेडिएशन का अपडेट

यरुशलम, एजेंसी। ईरान के परमाणु ठिकाने पर इजराइली हमले के बाद एक सवाल की चर्चा जोरों पर है। सवाल यह कि क्या अब इस हमले के बाद ईरान और उसके आसपास के देशों में न्यूक्लियर रेडिएशन से भारी तबाही आएगी? क्योंकि इजराइल ने ईरान के सबसे बड़े यूरेनियम संवर्धन वाले नतांज पर अटैक किया है और उसे ध्वस्त कर दिया है। नतांज में ही ईरान पहला परमाणु हथियार बनाने की तैयारी कर रहा था।

नतांज पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय परमाणु संस्था का कहना है कि अभी न्यूक्लियर रेडिएशन का खतरा नहीं है। यानी ईरान में न्यूक्लियर रेडिएशन को लेकर चिंता करने की फिलहाल कोई बात नहीं है।

न्यूक्लियर रेडिएशन क्यों खतरनाक है?

न्यूक्लियर रेडिएशन को काफी

खतरनाक माना जाता है। परमाणु बनाने में जिस यूरेनियम का उपयोग किया जाता है, वो एक भारी धातु है। इसके संपर्क में आने से इंसान को कैंसर, त्वचा जलन जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती है।

न्यूक्लियर रेडिएशन अगर ज्यादा बढ़ता है तो तुरंत मौत भी हो सकती है। इसके अलावा यह डीएनए को भी काफी ज्यादा इफैक्ट करता है। यही वजह है कि न्यूक्लियर रेडिएशन को सबसे खतरनाक माना जाता है। ईरान फिलहाल 6 जगहों पर यूरेनियम का संवर्धन कर रहा था। अंतराराष्ट्रीय परमाणु निगरानी संस्था के मुताबिक ईरान ने 9 बम बनाने के लिए यूरेनियम जुटा लिए थे।

अब इरान पर टिकी सबकी नजरें

इजराइल अटैक के बाद सबकी नजरें ईरान पर है। ईरान ने कुछ दिनों पहले दावा किया था कि अगर उस पर हमला होता है तो इजराइल के उन ठिकानों पर अटैक किया जाएगा, जहां परमाणु हथियार रखे हुए हैं। ईरान ने इसके लिए खुफिया जानकारी का हवाला दिया था।

नागसाकी यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के पास वर्तमान में 90 परमाणु हथियार हैं। इसे 7 शहरों में सीक्रेट तरीके से रखा गया है। कहा जा रहा है कि अगर ईरान इन शहरों पर हमला करता है तो फिर पूरे इलाके में न्यूक्लियर रेडिएशन बढ़ सकता है।

ईरान-इजराइल टकराव पर भारत बोला, 'बेहद चिंतित हैं, दोनों पक्षों से तनाव वाले कदमों से बचने का आग्रह किया'

नई दिल्ली, एजेंसी। इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान की राजधानी पर हमला कर दिया और देश के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। इजराइल ने ईरान के मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशाना बनाया और हमले के बाद वहां से

काला धुआं हवा में उठता देखा गया। इजराइल के हमले में ईरान के अर्द्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी की मौत हो गई। देश के सरकारी टेलीविजन ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि इन हमलों में शीर्ष सैन्य अधिकारी और वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। यह हमला ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव के बीच हुआ है।

ईरान-इजराइल टकराव पर भारत

भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह ईरान और इजराइल के बीच हाल के घटनाक्रमों को लेकर बहुत चिंतित है और उभरते हालात पर 'बारीकी से नजर' रख रहा है। नयी दिल्ली ने दोनों देशों से किसी भी तरह के तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने का आग्रह किया है।

इजराइल ने ईरान में परमाणु संवर्धन केंद्रों समेत कई जगहों पर हमले किए

विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा परामर्श का पालन करने की सलाह दी गई है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बीच विदेश मंत्रालय ने यह बयान जारी किया। खबरों के अनुसार, इजराइल ने ईरान में परमाणु संवर्धन केंद्रों समेत कई जगहों पर हमले किए हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने भी इसकी पुष्टि की है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, ''हम ईरान और इजराइल के बीच हाल के घटनाक्रमों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। हम परमाणु स्थलों पर हमलों से संबंधित खबरों के साथ ही उभरती स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।''

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की पृष्ठभूमि में भारत ने 'दोनों पक्षों से किसी भी तरह के तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने' का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ''तनाव कम करने के लिए कूटनीति और संवाद के मौजूदा माध्यमों का इस्तेमाल करना चाहिए।'' भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि वह दोनों देशों के साथ 'करीबी और मित्रवत संबंध' रखता है और तनाव कम करने के वास्ते 'हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार है''।

बयान में कहा गया, ''दोनों देशों में हमारे मिशन भारतीय समुदाय के संपर्क में हैं। क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सतर्कता बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा परामर्शों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

दो बार हत्या पर लगातार आजीवन कारावास संभव? सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार, हरियाणा हाईकोर्ट फैसले पर याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट इस बात पर विचार करने को तैयार हो गया है कि क्या हत्या के अपराध में दो बार दोषी ठहराए गए व्यक्ति को लगातार आजीवन कारावास की सजा दी जा सकती है। शीर्ष अदालत 2010 के दोहरे हत्याकांड मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के 2015 के फैसले से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा व जस्टिस मनमोहन की पीठ को बताया गया कि जुलाई 2016 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने कहा था कि कई हत्याओं या आजीवन कारावास से दंडनीय अन्य अपराधों के लिए आजीवन कारावास की कई सजाएं दी जा सकती हैं। लेकिन उन्हें लगातार चलाने का निर्देश नहीं दिया जा सकता। पीठ ने कहा, इस प्रश्न पर नोटिस जारी किया जाता है कि क्या धारा 302 (दो बार) के तहत दंडनीय अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने पर लगातार आजीवन कारावास की सजा देना (संविधान पीठ के फैसले) में की गई टिप्पणियों के मद्देनजर वैध है। इस पर नोटिस पर आठ हफ्ते में जवाब दाखिल करना होगा।

हाईकोर्ट ने इस मामले में एक व्यक्ति की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए, उसे ट्रायल कोर्ट की ओर से दी गई मौत की सजा को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने पूर्ववर्ती आईपीसी की धारा 302 के तहत हत्या के अपराध के लिए दोषी को दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसने कहा कि आजीवन कारावास, किसी व्यक्ति के प्राकृतिक जीवन की अंतिम सांस तक कारावास की सजा है और इस तरह, दो आजीवन कारावास की सजा देना अन्यथा अनावश्यक है।

'हाईकोर्ट का निर्देश हमारी संविधान पीठ के कानून के विपरीत'

सुप्रीम कोर्ट में बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि हाईकोर्ट का निर्देश अब सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित कानून के विपरीत है। उन्होंने संविधान पीठ के जुलाई 2016 के फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि जब आजीवन कारावास की बात आती है, तो इसे लगातार नहीं लगाया जा सकता। वकील ने तर्क दिया, इस मामले में बिल्कुल यही किया गया है। साथ ही मामले में वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने स्पष्ट किया है कि कई हत्याओं के लिए आजीवन कारावास की कई सजाएं दी जा सकती हैं, लेकिन इस तरह से दी गई आजीवन कारावास की सजा को लगातार चलाने का निर्देश नहीं दिया जा सकता।

ठग सुकेश की पत्नी की जमानत पर शीघ्र सुनवाई की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के मामले में ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना पॉलोज की दिल्ली हाईकोर्ट में जमानत याचिका पर शीघ्र सुनवाई की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा व जस्टिस मनमोहन की पीठ ने कहा, यह देखते हुए कि जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में आंशिक सुनवाई हो चुकी है और अब इसे 2 जुलाई को आगे की बहस के लिए रखा गया है, हम इस विशेष अनुमति याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। इसे खारिज किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कहा, उम्मीद है कि हाईकोर्ट जल्द से जल्द और कानून के मुताबिक अपने समक्ष लंबित जमानत याचिका का निपटारा करेगा। पॉलोज ने हाईकोर्ट के 19 मई के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया, जिसमें उनकी याचिका जुलाई में सूचीबद्ध की गई थी। दिल्ली पुलिस ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में चंद्रशेखर पर मामला दर्ज किया है। देश में उनके खिलाफ कई अलग-अलग जांच चल रही हैं। चंद्रशेखर और पॉलोज को जबरन वसूली के मामले में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। दोनों ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी कार्यवाही का सामना कर रहे हैं।

आंध्र में चल रही शिक्षक भर्ती परीक्षा पर रोक लगाने से इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश में चल रही शिक्षक भर्ती परीक्षाओं को रोकने की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसे बीच में नहीं रोका जा सकता। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा व जस्टिस मनमोहन की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, हम परीक्षा आयोजित करने के लिए कोई तंत्र नहीं बनाते हैं। यह हमारी विशेषज्ञता नहीं है। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पहले आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर न करने के लिए सवाल किया। वकील की ओर से यह कहे जाने पर कि हाईकोर्ट में गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं, पीठ ने कहा, गर्मी की छुट्टियों के बाद 16 जून को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट खुल रहा है। पीठ ने कहा, हम भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं हैं।

YRF फिल्म 'अल्फा' में होगा शानदार गाना, आलिया भट्ट और शरवरी वाघ साथ में मचाएंगी धमाल

आलिया भट्ट और शरवरी जल्द ही फिल्म 'अल्फा' में एक साथ नजर आएंगी। वहीं फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है कि इस फिल्म में एक शानदार गाना होगा, जो दोनों पर एक साथ फिल्माया जाएगा।

वाईआरएफ की पहली महिला प्रधान स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर ताजा जानकारी सामने आई है कि इस फिल्म में एक शानदार गाना होगा, जो कि आलिया भट्ट और शरवरी वाघ पर फिल्माया जाएगा। इस गाने में दोनों अभिनेत्रियों का अंदाज सबसे निराला होगा। ईटाइम्स की एक खबर के मुताबिक, आलिया भट्ट और शरवरी वाघ फिल्म 'अल्फा' में एक बड़े बजट वाले गाने में नजर आएंगी। यह गाना बेहद ग्लैमरस और जोश से भरा होगा, जिसमें दोनों अभिनेत्रियां एक साथ धमाकेदार परफॉर्मेंस करेंगी।

गाने के लिए होगा खास लुक

अल्फा के इस गाने के लिए आलिया और शरवरी एक नए अंदाज में दिखेंगी, जिसे दर्शकों ने आज तक नहीं देखा होगा। बहरहाल, दोनों ही अभिनेत्रियां स्टूडियो में इस गाने की घंटों रिहर्सल कर रही हैं और जिम में जमकर पसीना बहा रही हैं, ताकि यह गाना शानदार बने। फैंस के अलावा आलिया और शरवरी भी इस गाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। यह गाना बड़ा, आकर्षक और एक्शन से भरपूर होगा।

फिल्म अल्फा

'अल्फा' YRF स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें आलिया और शरवरी एक साथ पहली बार साथ में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं। इसमें आलिया और शरवरी के अलावा अनिल कपूर, बॉबी देओल और ऋतिक रोशन का स्पेशल कैमियो भी होगा। अल्फा 2025 के क्रिसमस वीकेंड पर रिलीज होगी। इसके अलावा, आलिया, एक्टर रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में भी नजर आएंगी।

व्हाइट टॉप और डेनिम में मोनालिसा का स्टाइलिश अंदाज़, एक्ट्रेस की फिटनेस देख मोहित हुए फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट लुक से सोशल मीडिया पर छा गई हैं। हाल ही में मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद स्टाइलिश तस्वीर शेयर की जिसमें वह व्हाइट स्लीवलेस टॉप और डेनिम जींस में नजर आ रही हैं। इस फोटो में मोनालिसा ने ओपन हेयर और फ्लोरल इयररिंग्स के साथ अपना लुक कंप्लीट किया है। साथ ही उनकी फिटनेस ने फैंस के होश उड़ा दिए हैं। उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा है - लड़की, तुम्हारे पास पहले से ही वो सब है जो चाहिए। इस पोस्ट के बाद फैन्स उनके आत्मविश्वास और लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। कमेंट सेक्शन में हार्ट और फायर इमोजी की बाढ़ आ गई है।

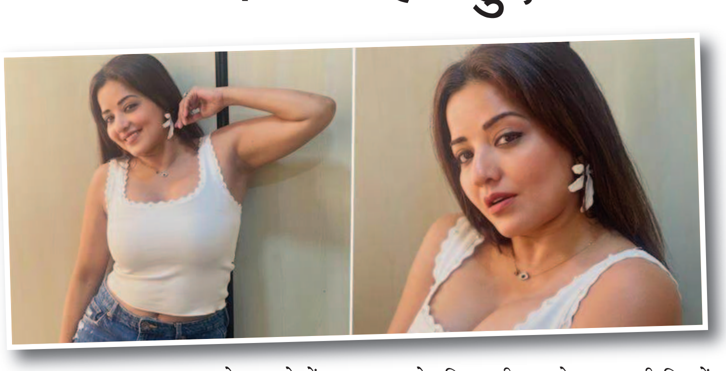

मोनालिसा अपने हर अंदाज़ से फैंस को इम्प्रेस करने में माहिर हैं। कभी ट्रेडिशनल लुक तो कभी वेस्टर्न कैजुअल, उनका हर स्टाइल चर्चा में रहता है। इस लेटेस्ट पोस्ट में उनका सिंपल लेकिन एलिगेंट लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है।

मोनालिसा की यह पोस्ट कुछ ही मिनटों में हजारों लाइक्स बटोर चुकी है और फैन्स उन्हें फैशन आइकन बता रहे हैं। मोनालिसा की सोशल मीडिया पर मजबूत मौजूदगी और उनका आत्मविश्वास भरा अंदाज़ उन्हें बाकी एक्ट्रेसेस से अलग बनाता है।

हर उस दिल की धड़कन के साथ हूं, जो हमारे देश के लिए धड़कती है: करिश्मा तन्ना

करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, जय हिंद, जय भारत.. इस समय, जो हम अपना जीवन सुख से जी रहे हैं...

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ा हुआ है। भारतीय सेना पाकिस्तान की हरकतों का करारा जवाब दे रही है। पूरा देश सेना के साथ खड़ा है। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी खुलकर सरहद पर देश की रक्षा करने वालों का हौसला बढ़ा रहे हैं। इस कड़ी मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने भारतीय सैनिकों को सलाम करते हुए कहा कि वह हम आपकी वजह से सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, जय हिंद, जय भारत.. इस समय, जो हम अपना जीवन सुख से जी रहे हैं। इसके पीछे हमारी सीमाओं पर खड़े बहादुर सैनिक हैं, जो अपना सब कुछ दांव पर लगाकर हमें सुरक्षित महसूस करा रहे हैं। हर सैनिक, हर अधिकारी, हर परिवार.. जो चुपचाप डटे हुए हैं, उनके प्रियजन हमारे देश के लिए लड़ रहे हैं, उनके लिए धन्यवाद कहना बहुत छोटा लगता है। मैं भारत के साथ खड़ी हूं। हर जवान के साथ। हर उस दिल की धड़कन के साथ, जो हमारे देश के लिए धड़कती है। आपकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं। आपके साहस को सलाम करती हूं। भारत आपके कारण है। जयहिंद, जय भारतीय सेना।

करिश्मा के अलावा, बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने भी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के पोस्ट पर लिखा, प्रिय भारतीय सेना, इन मुश्किल परिस्थितियों में मैं आप सभी को आपके अटूट साहस, बलिदान और समर्पण के लिए दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। भारत की सुरक्षा व संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए आपकी लगातार की जा रही कोशिशें नजरअंदाज नहीं की जा सकती। देश मुश्किल हालातों से गुजर रहा है, ऐसे समय में भारतीय सैनिकों की हिम्मत और समर्पण आम लोगों को प्रेरणा और सकारात्मक उम्मीद दे रही है। गर्व और सम्मान के साथ भारत की रक्षा करने और मजबूती से खड़े रहने के लिए आपका धन्यवाद। हम भारत और सशस्त्र बलों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं! हमारे असली हीरो! जय हिंद!

वहीं एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय ने इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पोस्ट शेयर किया था। पोस्ट पर लिखा था, जब किसी महिला के सामने उसके पति को मार दिया जाता है, तो पूरा देश केवल शोक नहीं करता, बल्कि जाग उठता है। आज ये दोनों महिला अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी केवल फौजी अफसर की तरह नहीं बोलींज बल्कि वे प्रतीक बन गईं उन हर महिलाओं की, जिन्होंने अपने दुःख को शक्ति में बदला, उन हर माताओं की, जिन्होंने अपने बच्चों को राष्ट्र सेवा के लिए भेजा। ऑपरेशन सिंदूर बदला नहीं है, यह एक चेतावनी है: जब भारत के दिल पर चोट की जाती है, तो दुर्गा उठ खड़ी होती है। इस बार, वह दुर्गा आशीर्वाद देने नहीं, बल्कि बदला लेने के लिए आ रही है। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कार्रवाई को लेकर कई सितारे अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि अब भारत और पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर का ऐलान कर दिया गया है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com